www.tamsasanket.com
वर्षः 06 || अंक 56 || लखनऊ
मंगलवार
26 मई 2026 || पृष्ठः 04 || मूल्यः ₹ 2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
समूह संपादक- डॉ. ओ.पी. मिश्रा
https://epaper.tamsasanket.com

दैनिक तमसा संकेत

डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र
लखनऊ व अम्बेडकर नगर से एक साथ प्रकाशित

मौसम
सूर्योदयः 05:14
सूर्यास्तः 06:53
अधिकतमः 42:00
न्यूनतमः 28:00

पेज 07

विशेष समाचार | यह कैसा समाज है, जिसमें ... >> पेज 04 | जिप लाइन झूले से 45 फीट... >> पेज 06 | 54 साल के हुए करण जौहर...

इतना भावुक मत होइए : सीजेआई

कॉकरोच जनता पार्टी के खिलाफ याचिका, जल्द सुनवाई की मांग

कार्यवाई

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। नई दिल्ली में सोमवार को सुप्रीम कोर्ट ने कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) से जुड़े लोगों की गतिविधियों की CBI जांच कराने की मांग पर तत्काल सुनवाई से इनकार कर दिया। अदालत ने कहा कि फिलहाल ऐसा कोई गंभीर आपातकालीन मामला नहीं है, जिस पर तुरंत हस्तक्षेप की जरूरत हो। कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) हाल ही में चीफ जस्टिस सूर्यकांत की एक टिप्पणी के बाद सोशल मीडिया पर चर्चा में आई थी। सोमवार दोपहर तक संगठन के इंस्टाग्राम अकाउंट पर करीब 2.29 करोड़ फॉलोअर्स बताए जा रहे हैं। अभिजीत दीपके ने 24 मई को दावा किया था।

एक्स अकाउंट ब्लॉक होने पर हाईकोर्ट पहुंचे संस्थापक

वहीं CJP के संस्थापक अभिजीत दीपके ने संगठन का X (पूर्व ट्विटर) अकाउंट ब्लॉक किए जाने के खिलाफ दिल्ली हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की है। उनका आरोप है कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर संगठन की आवाज दबाने की कोशिश की जा रही है।

कॉकरोच जनता पार्टी नाम का सोशल मीडिया पेज 16 मई को अभिजीत दीपके ने बनाया था।

महाराष्ट्र में घर के बाहर पुलिस तैनात

महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर में अभिजीत दीपके के घर के बाहर एहतियातन पुलिस बल तैनात किया गया है। डीसीपी पंकज अतुलकर ने बताया कि सोशल मीडिया पर CJP का मुद्दा तेजी से ट्रेंड कर रहा है, इसलिए सुरक्षा व्यवस्था के तहत यह कदम उठाया गया है। हालांकि पुलिस अधिकारियों ने किसी आधिकारिक धमकी मिलने से इनकार किया है।

सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि फिलहाल ऐसी कोई गंभीर स्थिति नहीं है, जिस पर तत्काल सुनवाई की जाए। उन्होंने कहा कि आगे परिस्थितियों को देखा जाएगा। साथ ही सुप्रीम कोर्ट की हालिया मौखिक टिप्पणियों के कथित व्यावसायिक उपयोग पर भी कार्रवाई की मांग उठाई गई।

कॉकरोच जनता पार्टी
फाउंडिंग से एक्शन तक की टाइमलाइन

- **23 मई** – पार्टी के फाउंडर ने बताया कि उनकी पार्टी से जुड़े और सभी पर्सनल अकाउंट हैक हो गए हैं।
- **22 मई** – वेबसाइट पर ऑनलाइन पिटीशन जारी की, शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान का इस्तीफा मांगा।
- **21 मई** – X अकाउंट बंद हुआ तो नया बनाया, इसी दिन इंस्टाग्राम पर देश की सभी नेशनल पार्टियों से ज्यादा फॉलोअर्स हुए।
- **20 मई** – की रात तक इंस्टाग्राम पर CJP के 66 लाख+ फॉलोअर्स हुए।
- **19 मई** – सोशल मीडिया पर CJP ट्रेंडिंग टॉपिक बन गया। पार्टी के इंस्टाग्राम पर 10 लाख फॉलोअर्स हो गए।
- **18 मई** – पहली बार पार्टी का अकाउंट देशभर में वायरल हुआ।
- **17 मई** – इंस्टाग्राम पर CJP के फॉलोअर्स बढ़ने लगे। 5 लाख हुए।
- **16 मई** – कॉकरोच जनता पार्टी की शुरुआत। एक्स और इंस्टाग्राम पर अकाउंट बना।
- **15 मई** – CJI ने कहा था- कुछ युवा कॉकरोच की तरह भटक रहे।

पुराना एक्स अकाउंट बंद, नया अकाउंट बनाया

बताया जा रहा है कि 21 मई को CJP का पुराना X अकाउंट ब्लॉक कर दिया गया था। उस समय अकाउंट पर 1.93 लाख से ज्यादा फॉलोअर्स थे। इसके बाद संगठन ने नया अकाउंट बनाया, जिसका नाम "कॉकरोच इज बैक" रखा गया। अकाउंट के बायो में "कॉकरोच डोंट डाय" लिखा गया है। सोमवार दोपहर तक नए अकाउंट पर करीब 2.27 लाख फॉलोअर्स हो चुके थे। फिलहाल CJP के सोशल मीडिया अकाउंट इंस्टाग्राम और X पर सक्रिय बताए जा रहे हैं।

कोर्ट में क्या हुई सुनवाई

मामले की सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता एनके गोस्वामी ने अदालत में कहा कि CJP न्यायपालिका की छवि खराब करने का काम कर रही है।

इस पर चीफ जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस विपुल पंचोली की पीठ ने टिप्पणी करते हुए कहा, "इसे इतनी भावुकता से मत लें।"

धर्मेंद्र को मरणोपरांत पद्म विभूषण

मार्शल आर्ट गुरु पजनीवेल ने पीएम मोदी को लेटकर प्रणाम किया

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 66 हस्तियों को पद्म पुरस्कार से सम्मानित किया है। सबसे पहले दिवंगत फिल्म स्टार धर्मेन्द्र को पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया। उनकी पत्नी एक्ट्रेस–सांसद हेमा मालिनी ने यह सम्मान लिया। महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत को पद्मश्री से सम्मानित किया गया। उनकी लीडरशिप में इसी साल टीम ने वनडे वर्ल्डकप जीता था। साल 2026 में कुल 131 हस्तियों को पद्म पुरस्कार दिए जाने हैं, 65 विजेताओं को अगले फेज में सम्मानित किया जाएगा, जिसकी तारीखें अभी सामने नहीं आई हैं। पुडुचेरी के प्रसिद्ध सिलंबम गुरु के. पजनीवेल को भारत में पारंपरिक मार्शल आर्ट में उनके योगदान के लिए पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित किया गया। सम्मान लेने जाने से पहले उन्होंने जमीन पर लेटकर पीएम मोदी को प्रणाम किया। अरुणाचल प्रदेश के प्रख्यात सामाजिक कार्यकर्ता तेची गुबिन को समाज सेवा के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित किया गया। वरिष्ठ पत्रकार कैलाश चंद्र पंत को देश भर में हिंदी भाषा के प्रचार-प्रसार में उनके योगदान के लिए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित किया। सोलर ग्रुप के चेयरमैन सत्यनारायण नुवाल को भारत के रक्षा विनिर्माण क्षेत्र में उनके योगदान के लिए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित किया। पुडुचेरी के सिलंबम (मार्शल आर्ट) खिलाड़ी के. पजनीवेल को पारंपरिक मार्शल आर्ट के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित किया गया। उन्होंने पीएम मोदी के पैर छूए। यूजीसी के पूर्व अध्यक्ष ममिडाला जगदेश कुमार को साहित्य और शिक्षा के क्षेत्र में योगदान के लिए पद्मश्री पुरस्कार मिला। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने विज्ञापन जगत की जानी-मानी हस्ती दिवंगत पीयूष पांडे को मरणोपरांत पद्म भूषण पुरस्कार से सम्मानित किया। दिवंगत एक्टर धर्मेंद्र, सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज केटी थॉमस, कम्युनिस्ट नेता और केरल के पूर्व मुख्यमंत्री वीएस अच्युतानंदन समेत 5 हस्तियों को पद्म विभूषण अवॉर्ड की घोषणा की गई है।

महाराष्ट्र में कार 800 फीट गहरी खाई में गिरी

8 की मौत, मोबाइल से लोकेशन मिली, कर्नाटक में नदी में डूबने से 11 की जान गई

घटना

तमसा संकेत, एजेंसी

- महाराष्ट्र के रायगड में अंबेनली घाट की खाई में एसयूवी गिरी थी। जंगल में पड़ा शव।
- एनडीआरएफ के मुताबिक 11 लोग डूबे थे। 10 शव बरामद हुए। 1 और शव तलाशा जा रहा है।

रायगढ़/भटकल। महाराष्ट्र और कर्नाटक में दो हादसों में 19 लोगों की मौत हो गई। महाराष्ट्र के रायगड में पोलादपुर-महाबलेश्वर रोड के अंबेनली घाट इलाके में रविवार सुबह एसयूवी कार 800 फीट गहरी खाई में गिर गई। घटना में 8 लोगों की मौत हुई है। पीड़ित परिवारों की शिकायत पर पुलिस ने मृतकों के मोबाइल की लास्ट लोकेशन ट्रेस की। तब जाकर घटना की जानकरी मिली। इधर, कर्नाटक के भटकल में रविवार दोपहर टट्टीहक्कल नदी में सीप इकट्ठा करते समय डूबने से एक ही परिवार के 11 लोगों की मौत हो गई। कुल 14 लोग थे, जिनमें से 3 का रेस्क्यू किया गया था। NDRF के मुताबिक, घटना की जानकारी रविवार शाम 5 बजे मिली थी। 10 शव आज बरामद हुए।

>> (शेष पेज 06 पर)

फास्ट न्यूज

बेटी की हत्या कर शव सेप्टिक टैंक में फेंका

नई दिल्ली। दिल्ली के मुकंदपुर इलाके में एक व्यक्ति ने अपनी 10 महीने की बेटी की गला दबाकर हत्या कर दी। इसके बाद शव को घर के ही सेप्टिक टैंक में फेंक दिया। पुलिस के मुताबिक, आरोपी ने कबूल किया है कि वह दूसरी बेटी का खर्च उठाने को लेकर परेशान था।

कोलकाता में अभिषेक बनर्जी के घर पहुंची पुलिस

कोलकाता। अवैध निर्माण मामले में सोमवार को कोलकाता पुलिस की एक विशेष टीम TMC महासचिव अभिषेक बनर्जी के हरीश मुखर्जी रोड पर मौजूद घर 'शांतिनिकेतन' पहुंची। कोलकाता नगर निगम (केएमसी) के नोटिस के बाद पुलिस ने यह कार्रवाई की। सूत्रों के मुताबिक, अवैध हिस्से को गिराने का आदेश भी जारी किया गया है। नोटिस के मद्देनजर कोलकाता पुलिस ने वहां जाकर स्थिति का जायजा लिया। कोलकाता नगरपालिका के नोटिस के जवाब में अभिषेक बनर्जी ने रविवार को नगर-पालिका अधिकारियों को लेटर लिखकर 14 दिन का समय मांगा था।

असम विधानसभा में यूनिफॉर्म सिविल कोड बिल पेश

गुवाहाटी। असम विधानसभा में यूनिफॉर्म सिविल कोड (UCC) बिल सोमवार को पेश किया गया। इसे पटल पर मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा की ओर से राज्य के संसदीय कार्य मंत्री अतुल बोरा ने रखा। इस बिल को दो हफ्ते पहले कैबिनेट से मंजूरी मिली थी।

एआईएडीएमके के 3 बागी विधायकों ने दिया इस्तीफा

टीवीके नेता से मिले, पार्टी जॉइन करेंगे, फ्लोर टेस्ट में विजय सरकार को समर्थन दिया था

तमसा संकेत, एजेंसी

चेन्नई। तमिलनाडु में AIADMK को बड़ा राजनीतिक झटका लगा है। पार्टी के तीन बागी विधायकों ने सोमवार को इस्तीफा दे दिया। इस्तीफा देने वाले विधायकों में मरगथम कुमारवेल, पी. सत्यभामा और एस. जयकुमार शामिल हैं। विधानसभा अध्यक्ष जेसीडी प्रभाकर ने तीनों विधायकों का इस्तीफा स्वीकार कर लिया है। स्पीकर से मिलने के बाद तीनों विधायक TVK नेता और PWD मंत्री आधव अर्जुना से मिले। कुमारवेल ने कहा कि वे जल्द TVK हेडक्वार्टर में पार्टी जॉइन करेंगे। ये विधायक उन 25 AIADMK विधायकों में शामिल थे जिन्होंने 13 मई को विधानसभा फ्लोर टेस्ट में पार्टी व्हिप के खिलाफ जाकर TVK सरकार के समर्थन में वोट किया था। तीनों इस्तीफों के बाद AIADMK विधायकों की संख्या 47 से घटकर 44 रह गई है। मदुरंथकम, धारापुरम और पेरुंदुरई सीटों पर अब उपचुनाव होंगे। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के नतीजे 4 मई को आए थे। AIADMK 47 सीटें जीती थी। चुनाव में खराब प्रदर्शन के बाद AIADMK नेताओं का गुट दो खेमे में बंट गया। एक गुट AIADMK प्रमुख एडप्पादी पलानीस्वामी का था। दूसरे गुट का नेतृत्व पार्टी नेता सीवी षणमुगम और एसपी वेलुमणि कर रहे थे। षणमुगम और वेलुमणि ने अपने साथ करीब 30 विधायकों के समर्थन का दावा किया। 13 मई के फ्लोर टेस्ट में 25 AIADMK विधायकों ने TVK का साथ दिया।

>> (शेष पेज 06 पर)

एमपी सरकार बोली- वे जांच में मदद नहीं कर रहीं, दिल्ली से सीबीआई टीम भोपाल रवाना

एक्ट्रेस ट्विशा केस : रिटायर्ड जज सास को हाईकोर्ट का नोटिस

ट्विशा के पिता के वकील पीयूष सिंह ने मीडिया से बातचीत में बताया- अदालत ने रिटायर्ड जज गिरिबाला सिंह को नोटिस जारी कर दो दिन में जवाब पेश करने को कहा है। 27 मई को अगली सुनवाई तय की गई है।

तमसा संकेत, एजेंसी

जबलपुर/भोपाल/दिल्ली। एक्ट्रेस ट्विशा शर्मा मौत मामले में मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने आरोपी सास और रिटायर्ड जज गिरिबाला सिंह को नोटिस जारी किया है। यह नोटिस राज्य सरकार और ट्विशा के पिता नवनिधि शर्मा की उस याचिका पर जारी हुआ, जिसमें ट्रायल कोर्ट से मिली गिरिबाला सिंह की अग्रिम जमानत का विरोध किया गया है। सोमवार को सुनवाई के दौरान सरकार की ओर से पेश महाधिवक्ता प्रशांत सिंह ने कहा कि गिरिबाला जांच में सहयोग नहीं कर रही हैं। वहीं, गिरिबाला सिंह के वकील मृगेंद्र सिंह ने कहा- यह कहना गलत है कि हम जांच में सपोर्ट नहीं कर रहे हैं। हमें पिटीशन के दस्तावेज नहीं मिले हैं, इसलिए जवाब दाखिल करने के लिए समय चाहिए। सोमवार सुबह सुप्रीम कोर्ट में मामले की सुनवाई के दौरान मध्य प्रदेश सरकार की ओर से पेश हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने भी आरोप लगाया था कि ट्विशा की सास और पूर्व जज गिरिबाला सिंह जांच में बाधा डाल रही हैं। वहीं भोपाल जिला कोर्ट ने रिटायर्ड जज गिरिबाला सिंह मामले की सुनवाई मंगलवार तक के लिए टाल दी है। पुलिस प्रतिवेदन नहीं मिलने के कारण सुनवाई स्थगित की गई। कोर्ट ने पुलिस को कल तक प्रतिवेदन पेश करने के निर्देश दिए हैं। उधर, मामले की जांच अब CBI करेगी। एजेंसी की टीम सोमवार को दिल्ली से भोपाल के लिए रवाना हो गई। टीम शाम तक भोपाल पहुंचकर स्थानीय पुलिस से केस का हेंडओवर लेगी। इधर, सुप्रीम कोर्ट ने खुद नोटिस लेते हुए सोमवार को इस केस की सुनवाई की। चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि मीडिया पीड़ित या दूसरे परिवार के बयानों के पीछे न भागे और मामले को कानून के मुताबिक आगे बढ़ने दिया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि न्यायपालिका की निष्पक्षता पर सवाल उठने से वे दुखी हैं।

>> (शेष पेज 06 पर)

कोई सबक नहीं लिया ■ ये दुखद ■ नीट पेपर लीक पर केंद्र-सीबीआई से भी जवाब मांगा

पिछली गलती से क्या सीखा : सुप्रीम कोर्ट

फटकार

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने NEET पेपर लीक मामले में सोमवार को नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (NTA) को फटकार लगाई। कोर्ट ने कहा- यह दुखद है कि NTA ने पहले हुए पेपर लीक मामले से कोई सबक नहीं लिया। जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस आलोक अराधे की बेंच सोमवार को फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया मेडिकल एसोसिएशन (FAIMA), यूनाइटेड डॉक्टर्स फ्रंट (UDF) औरअन्य याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी। इस दौरान उन्होंने कहा, NEET-UG कराने के लिए NTA की जगह एक मजबूत और स्वायत्त व्यवस्था बनाई जाए या फिर इसकी पूरी संरचना बदली जाए। क्योंकि बार-बार पेपर लीक होने से 22.7 लाख से ज्यादा छात्रों के मौलिक अधिकारों पर सीधा असर पड़ा है। नई संस्था बनने तक एक हाई-पावर मॉनिटरिंग कमेटी बनाई जाए, जो दोबारा परीक्षा की निगरानी करे। इसमें रिटायर्ड सुप्रीम कोर्ट जज को चेयरमैन बनाया जाए, साथ ही साइबर सिक्योरिटी एक्सपर्ट और फोरेंसिक साइंटिस्ट को शामिल किया जाए।

मामले में 3 दिन में क्या हुआ

■ 25 मईः दिल्ली कोर्ट में मनीषा हवलदार की पेशी

NEET UG पेपर लीक मामला में आरोपी मनीषा संजय हवलदार को दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट में पेश किया गया। उन्हें महाराष्ट्र के पुणे से गिरफ्तार किया गया था। उन पर एग्जाम से पहले फिजिक्स पेपर लीक करने का आरोप है।

■ 24 मई : आरोपी शुभम खैरनार 6 जून तक न्यायिक हिरासत में

दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने आरोपी शुभम खैरनार को 6 जून तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया। 20 मई को खैरनार की CBI हिरासत 5 दिन और बढ़ाई गई थी। इससे पहले 14 मई को अदालत ने खैरनार समेत पांच आरोपियों को 7 दिन की CBI हिरासत में भेजा था। एजेंसी ने कहा था कि NEET-UG 2026 पेपर खरीदने वाले अन्य आरोपियों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए उससे आगे पूछताछ जरूरी है।

■ 23 मईः फिजिक्स लेक्चरर मनीषा संजय हवलदार बर्खास्त

महाराष्ट्र के स्कूल सेठ हीरालाल सरस्वती प्रशाला ने सीनियर फिजिक्स लेक्चरर मनीषा संजय हवलदार को NEET पेपर लीक में शामिल होने के आरोप में सस्पेंड किया गया।

स्कूल सेक्रेटरी डॉ. सतीश गावड़े ने बताया था कि मनीषा1992 से संस्थान में फिजिक्स की लेक्चरर थीं।

उनके पास MSc, B.Ed की डिग्री है।

,0 जून को उनका रिटायरमेंट था।

"कोर्ट ने निर्देश दिया कि एनटीए गुरुवार तक हलफनामा दाखिल करे और बताए कि 2024 में दिए गए निर्देशों और मॉनिटरिंग कमेटी की सिफारिशों पर क्या कदम उठाए गए। साथ ही केंद्र सरकार और सीबीआई से भी जवाब मांगा है। यह मामला 2024 में भी सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचा था। तब एक कमेटी बनाई गई थी, जिसने कई सिफारिशें दीं, जिन्हें स्वीकार भी किया गया था।

ग्रामीण प्रतिभाओं को तराशने के साथ-साथ युवाओं और महिलाओं के लिए स्वरोजगार के खुलेंगे नए द्वार

योगी सरकार की 'मातृभूमि योजना' बनी मिसाल

उद्घाटन

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ । उत्तर प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी की दूरदर्शी प्रेरणा और माननीय पंचायती राज मंत्री श्री ओमप्रकाश राजभर जी के कुशल मार्गदर्शन में पंचायती राज विभाग उत्तर प्रदेश पंचायत विकास और जन-भागीदारी का एक नया अध्याय लिख रहा है। सरकार की महत्वाकांक्षी 'उत्तर प्रदेश मातृभूमि योजना' अब केवल बुनियादी ढांचे के विकास तक सीमित नहीं है, बल्कि यह ग्रामीण भारत की छिपी हुई प्रतिभाओं को वैश्विक मंच देने और पूरे प्रदेश को गौरवान्वित करने का एक सशक्त माध्यम बन चुकी है।

इसी भव्य विजन के तहत, जनपद उन्नाव की ग्राम पंचायत कमालपुर में नवनिर्मित अत्याधुनिक कला प्रशिक्षण केंद्र का भव्य उद्घाटन किया गया। इस केंद्र का लोकार्पण माननीय पंचायती राज मंत्री श्री ओमप्रकाश राजभर जी, यूपी ट्रांसफॉर्मेशन कमिशन के सीईओ श्री मनोज कुमार सिंह एवं मोहान के माननीय विधायक श्री बृजेश कुमार रावत जी द्वारा विभागीय अधिकारियों और स्थानीय ग्रामीणों की गरिमामयी उपस्थिति में संपन्न हुआ। मुख्यमंत्री जी की जन-भागीदारी की नीति से प्रेरित होकर, इस केंद्र के निर्माण में 60 प्रतिशत की सहयोग राशि स्वयं श्रीमती शीला शर्मा द्वारा दी गई है, जबकि शेष 40 प्रतिशत का योगदान पंचायती राज विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा किया गया है। शीला शर्मा अब इस केंद्र के माध्यम से गांव के सैकड़ों बच्चों के भविष्य को संवारने का जिम्मा उठा रही हैं। शीला शर्मा ने कहा: ग्रामीण क्षेत्रों के बच्चों में असाधारण प्रतिभा होती है, बस उन्हें सही मंच की जरूरत होती है। पूज्य मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी और पंचायती राज विभाग ने मातृभूमि योजना के जरिए मेरे उस सपने को सच कर दिया, जिसे मैं वर्षों से देख रही थी। अब गांव का कोई बच्चा अवसरों से वंचित नहीं रहेगा।

उत्तर प्रदेश के गांवों में आकार ले रहे हैं आत्मनिर्भरता के सपने

मुख्यमंत्री के विजन को धरातल पर उतार रहा पंचायती राज विभाग

यह कला केंद्र मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के उस संकल्प का जीवंत उदाहरण है, जिसमें वे उत्तर प्रदेश के हर गांव को आत्मनिर्भर और साधन-संपन्न बनाने की बात करते हैं। पंचायती राज विभाग के नेतृत्व में यह केंद्र ग्रामीण युवाओं, महिलाओं और बच्चों के सपनों को उड़ान देगा। यहाँ चित्रकला, हस्तशिल्प, सिलाई एवं वस्त्र डिजाइनिंग, संगीत और नृत्य जैसी विधाओं का उच्च स्तरीय प्रशिक्षण दिया जाएगा। आर्थिक तंगी किसी के आड़े न आए, इसके लिए बच्चों को निःशुल्क कला सामग्री के साथ-साथ प्रोत्साहन भत्ता भी दिया जाएगा।

> इस ऐतिहासिक पहल के केंद्र में हैं प्रदेश की बेटी और दिव्यांग फुट पेंटर श्रीमती शीला शर्मा। दोनों हाथ न होने के बावजूद अपने पैरों की उंगलियों से कैनवास पर अद्भुत रंग बिखेरने वाली शीला शर्मा की कहानी आज पूरे उत्तर प्रदेश के लिए एक मिसाल बन चुकी है।

पावर हाउस पर लोगों को हंगामा
बिजली कटने पर आधी रात पहुंचे
संविदाकर्मियों को पीटा, धू-धूकर जला ट्रांसफॉर्मर

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में भीषण गर्मी के बीच बिजली संकट बढ़ता जा रहा है। लगातार पांचवें दिन भी लोगों को हंगामा और विरोध जारी रहा। रविवार रात लोगों की भीड़ अप्ट्रॉन पावर हाउस पहुंचकर जमकर हंगामा किया। जानकीपुरम जीपीआरए उपकेंद्र के मिश्रपुर में रविवार दोपहर 1:30 बजे बिजली फॉल्ट ठीक करने के दौरान दबंगों ने 2 संविदाकर्मियों को लाठी-डंडों से पीटा। गाजीपुर में ट्रांसफॉर्मर धू-धूकर जल गया।

शनिवार को फैजुल्लागंज स्थित श्याम विहार कॉलोनी के लोग बिजली संकट से परेशान होकर सड़क पर उतर आए और प्रदर्शन किया। वहीं, बख्शी का तालाब में पावर हाउसों के बाहर पुलिस तैनात कर दी गई। पारा-बुद्धेश्वर-दुबग्गा इलाके के सोना बिहार, मुनेश्वर पुरम, प्रभात पुरम, बादशाह खेड़ा, बुद्धेश्वर, बादल खेड़ा और जनता विहार कॉलोनी में करीब 36 घंटे तक बिजली आपूर्ति बाधित रही।

20 मई की रात साउथ सिटी से बिजली आपूर्ति व्यवस्था चरमराई जो पारा, सआदतगंज की तरफ बढ़ गई। इन इलाकों में लगातार तीसरे दिन भी बिजली नहीं आई। सरोजनी नगर, राजाजीपुरम से लेकर चिनहट तक कई पावर हाउस से ट्रिपिंग और लंबी कटौती जारी है। लगातार तीसरे दिन बिजली न आने पर पारा इलाके के लोगों ने 22 मई को कई घंटे तक बुद्धेश्वर चौराहे पर जमकर बवाल किया। बताया जा रहा है कि इस दौरान विभाग के जेई की गाड़ी के टायर पंक्चर कर दिए गए।

लखनऊ हाईकोर्ट ने वकीलों को लगाई फटकार

लखनऊ। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने लखनऊ में सिविल कोर्ट परिसर के आसपास अवैध कब्जे हटाने संबंधी याचिका पर सुनवाई की। कोर्ट ने वकीलों को कड़ी फटकार लगाई। कोर्ट ने इस मामले में अपना आदेश सुरक्षित रख लिया है, जिसका विस्तृत आदेश बाद में जारी किया जाएगा। सुनवाई के दौरान, हाईकोर्ट ने कहा कि उसने वकीलों द्वारा लाठियां बंटवाते हुए वीडियो देखे हैं। न्यायालय ने सिविल कोर्ट में एक सप्ताह से चल रही हड़ताल का भी संज्ञान लिया। खंडपीठ ने टिप्पणी की कि सुप्रीम कोर्ट के दिशा-निर्देशों के अनुपालन में आपराधिक अवमानना की कार्रवाई पर विचार किया जाएगा। कोर्ट ने पूछा, 'क्या लाठियां बंटवाकर प्रशासन को सही काम करने से रोका जा सकता है?'

इस मामले में सेंट्रल बार के अध्यक्ष और महामंत्री ने वकीलों के चैंबर हटाए जाने को लेकर स्वयं बहस की।

यूपीपीएससी की शिकायत पर सख्त कार्रवाई
तीन पुलिस अधिकारियों की निगरानी में होगी जांच

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग (यूपीपीएससी) ने लेखपाल मुख्य परीक्षा को लेकर अफवाह फैलानों वालों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करा दिया है। आयोग से मिली शिकायत के आधार पर लखनऊ के विभूतिखंड थाने में मुकदमा दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। इस मामले की जांच पुलिस उपायुक्त पूर्वी, अपर पुलिस उपायुक्त पूर्वी और सहायक पुलिस आयुक्त विभूतिखंड की निगरानी में की जाएगी। आयोग ने शिकायत में स्पष्ट किया है कि लेखपाल पद पर चयन के लिए 44 जनपदों के 861 परीक्षा केंद्रों पर पूरी निष्पक्षता, पारदर्शिता और शुचितापूर्ण तरीके से संपन्न कराई गई थी। हालांकि अराजक तत्वों ने मुख्य परीक्षा में शामिल अभ्यर्थियों को गुमराह करने के लिए सोशल मीडिया पर असत्य एवं भ्रामक पोस्ट शेयर किए। इसके जरिए सरकार की छवि धूमिल करने और सरकारी कार्य में बाधा डालने का प्रयास किया गया। इससे पहले आयोग ने अभ्यर्थियों से अपील की थी कि वह किसी भी प्रकार की अफवाह या अपुष्ट सूचनाओं पर ध्यान न दें।

केवल आयोग द्वारा जारी आधिकारिक सूचनाओं पर ही भरोसा करें। आयोग ने भरोसा दिलाया है कि भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता और निष्पक्षता से कोई समझौता नहीं किया जाएगा।

> लेखपाल मुख्य परीक्षा को लेकर अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ लखनऊ के विभूतिखंड थाने में मुकदमा दर्ज

कार की टक्कर से बाइक सवार अधेड़ की मौत

सरोजनी नगर, लखनऊ। लखनऊ के बिजनौर थाना क्षेत्र में रविवार देर शाम एक तेज रफ्तार कार की टक्कर से बाइक सवार 56 वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच कर रही है। मृतक की पहचान मानक नगर थाना क्षेत्र के श्याम नगर निवासी विजय कुमार के रूप में हुई है। विजय कुमार रविवार शाम करीब 7 बजे बिजनौर के परवर पश्चिम स्थित गढ़ी गांव में अपना प्लाट देखकर बाइक से घर लौट रहे थे। बंगला बाजार - बिजनौर रोड पर गुड़ौरा के सामने मनीष गेट के पास एक तेज रफ्तार ब्रेजा कार ने उनकी बाइक में सामने से जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि विजय कुमार गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें तत्काल अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने वहां पहुंचने पर उन्हें मृत घोषित कर दिया।

घटना के बाद स्थानीय लोगों ने कार चालक को पकड़ लिया और कार सहित पुलिस के हवाले कर दिया।

साढ़े पांच घंटे बाद शव मिला, लखनऊ में यूपीएससी का पेपर खराब हो गया था

वॉइस प्रिंसिपल का बेटा गोमती नदी में कूदा

> प्रखर जहां पर नदी में कूदा, उसी के सामने हुसैनाबाद इंटर कॉलेज है। कॉलेज के पास में ही पोस्टमॉर्टम हाउस है। प्रखर की स्कूटी की डिक्की में उसके कपड़े रखे हुए हैं। इस पर उसका हेल्मेट भी लगा हुआ है।

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में इंटर कॉलेज की वॉइस प्रिंसिपल का बेटा गोमती नदी में कूद गया। करीब साढ़े पांच घंटे बाद उसका शव मिला। घटना आज, सोमवार सुबह की है। मृतक की पहचान प्रखर आनंद पाल (26) निवासी आलमबाग के रूप में हुई। उसकी मां सुष्मलता राजकीय हुसैनाबाद इंटर कॉलेज में वॉइस प्रिंसिपल के पद पर तैनात हैं। बेटे के नदी में कूदने की जानकारी मिली तो वह घटनास्थल पहुंचीं। मां का घाट पर रो-रोकर बुरा हो गया। उन्होंने रोते हुए बताया कि कल वह UPSC का पेपर देने गया था। बता रहा था कि उसका पेपर खराब हो गया है। मैंने कहा था कि कोई बात नहीं बेटा। तुम अच्छे बच्चे हो। दूसरी मीटिंग के पेपर पर ध्यान देना। इसके बाद उससे कोई बात नहीं हुई। पिता विष्णु गोपाल पाल की कुछ साल पहले मौत हो चुकी है।

ट्रॉमा सेंटर मोर्चरी में खड़ी मिली स्कूटी

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, सुबह ट्रॉमा सेंटर मोर्चरी के पास एक स्कूटी खड़ी मिली। कुछ देर बाद लोगों ने वहां करीब 200 मीटर दूर प्रखर को गोमती नदी में छलांग लगाते देखा, जिसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। चौक थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और गोताखोरों की टीम को बुलाकर सर्च ऑपरेशन शुरू कराया। पुलिस का कहना है कि करीब साढ़े पांच घंटे सर्च अभियान चलाया गया।

युवक का शव पुल से करीब 100 मीटर की दूरी पर मिला। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया।

डिंपल समेत पूरा यादव परिवार शामिल, योगी भी पहुंचे
प्रतीक की तेरहवीं में अपर्णा रोईं, अखिलेश को खाना परोसा

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव के भाई प्रतीक की आज तेरहवीं हुई। कार्यक्रम में पत्नी अपर्णा यादव ने पूड़ियां बांटीं। अखिलेश यादव को खाना परोसा। इस दौरान जब लोगों ने 'प्रतीक भैया अमर रहें' के नारे लगाए, तो वह खुद को रोक नहीं पाईं। उनकी आंखों से आंसू छलक पड़े। उन्होंने हाथ जोड़कर लोगों का अभिवादन किया और घर के अंदर चली गईं। सीएम योगी भी तेरहवीं में शामिल हुए। उन्होंने प्रतीक को श्रद्धांजलि दी और अपर्णा को सांत्वना दी। अखिलेश, शिवपाल यादव और डिंपल यादव समेत पूरा परिवार अपर्णा के घर पहुंचा। राज्यसभा सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने भी पूड़ियां बांटीं। लोकगायिका मालिनी अवस्थी और अभिनेता राजपाल यादव भी तेरहवीं में पहुंचे। लखनऊ में विक्रमादित्य मार्ग पर स्थित अपर्णा के घर पर तेरहवीं कार्यक्रम हुआ। इसमें रामधुन बजी। शहर के कई इलाकों में प्रतीक की तेरहवीं से जुड़े शोक संदेशों के होर्डिंग लगाए गए हैं।

अपर्णा यादव ने अखिलेश यादव को खाना परोसा

प्रतीक यादव की तेरहवीं में अखिलेश यादव ने जमीन पर बैठकर खाना खाया। अपर्णा यादव ने उन्हें खाना परोसा। प्रतीक यादव की तेरहवीं में कई संत भी शामिल हुए हैं। संतों ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। अभिनेता राजपाल यादव अपर्णा यादव के आवास पर प्रतीक यादव की तेरहवीं रस्म में पहुंचे। उन्होंने प्रतीक यादव को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि प्रतीक यादव के साथ अनहोनी हुई। यह बहुत दुख देने वाली अनहोनी है। उनका जाना दुखद है।

मंत्री राकेश सचान भी पहुंचे

प्रतीक यादव क तेरहवीं में मंत्री राकेश सचान भी पहुंचे। उन्होंने प्रतीक यादव को श्रद्धांजलि अर्पित की। अपर्णा यादव और परिजनों को ढांढस बंधाया।

लखनऊ में आयोजित शांति प्रार्थना सभा के दौरान समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने प्रतीक यादव को पुष्पांजलि अर्पित की।

फंदे से लटका मिला नवविवाहिता का शव
मायके वाले बोले- दहेज के लिए मार डाला

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में नवविवाहिता की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। ठाकुरगंज की रहने वाली 29 वर्षीय श्वेता सिंह का शव सोमवार सुबह ससुराल में फंदे से लटका मिला। परिजनों ने ससुराल पक्ष पर दहेज के लिए प्रताड़ित करने और हत्या का आरोप लगाया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। श्वेता की शादी 22 नवंबर 2025 को ठाकुरगंज थाना क्षेत्र के काशी विहार निवासी शिवम सिंह से हुई थी। शिवम एक लैब में काम करता है। श्वेता का मायका विश्वनगर मल्हाई टोला, ठाकुरगंज में है। पिता उमेश कुमार सिंह ने बताया कि शादी के बाद से ही दहेज को लेकर बेटी को परेशान किया जाता था

भाई आशुतोष सिंह के मुताबिक,

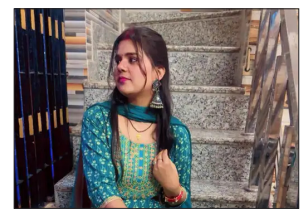

श्वेता की मां सविता सिंह एक निजी अस्पताल में भर्ती हैं। श्वेता शनिवार रात मां को देखकर ससुराल लौट गई थी। रविवार सुबह करीब 11 बजे ससुराल से फोन आया कि श्वेता ने आत्महत्या कर ली है। परिजनों का कहना है कि जब तक वे लोग मौके पर पहुंचे, तब तक शव को नीचे उतारकर ट्रॉमा सेंटर ले जाया जा चुका था। बहन ज्योति सिंह से भी सुबह बात हुई थी और तब तक सब सामान्य था। पिता उमेश कुमार सिंह ने ठाकुरगंज थाने में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है।

लखनऊ में घर के किचन में लगी भीषण आग
तेज लपटें देख मची अफरा-तफरी, आधे घंटे में पाया काबू

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ के इंदिरानगर इलाके में सोमवार दोपहर एक मकान के किचन में आग लग गई। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और आधे घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई। महावीर नगर सुगमऊ निवासी अवधेश कुमार त्रिपाठी के मकान में आग लग गई। उन्होंने दोपहर 1:36 बजे फायर स्टेशन इंदिरानगर कंट्रोल रूम को मकान में आग लगने की सूचना दी। मुख्य अग्निशमन अधिकारी के निर्देश पर प्रभारी अग्निशमन अधिकारी के.के. सिंह के नेतृत्व में फायर स्टेशन इंदिरानगर से एक फायर टैंकर तत्काल मौके के लिए

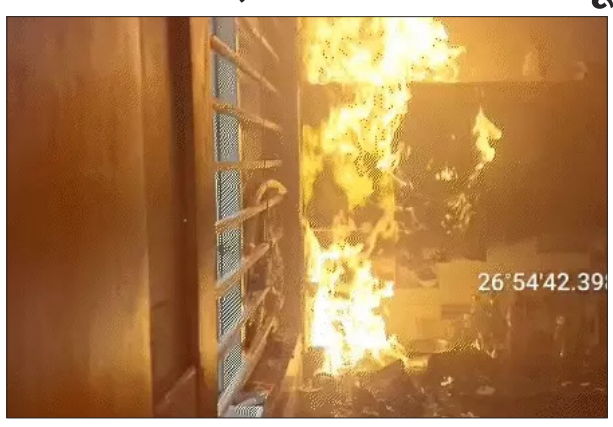

रवाना किया गया। दमकल कर्मियों ने मौके पर पहुंचकर देखा कि मकान के ग्राउंड फ्लोर पर बने किचन में आग लगी थी और लपटें तेजी से फैल रही थीं। टीम ने तुरंत तीन हाज पाइप बिछाकर पंपिंग शुरू की और आधे घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग को पूरी तरह बुझा दिया। समय रहते आग पर काबू पा लेने से बड़ा हादसा टल गया। घटना में कोई जनहानि नहीं हुई है।

खंती में गिरी कार, 6 लोग घायल
बाइक सवार को बचाने में हुआ हादसा, 2 बच्चे भी जख्मी हुए

तमसा संकेत, एजेंसी

मलिहाबाद। लखनऊ के रहीमाबाद थाना क्षेत्र में सोमवार को एक सड़क हादसा हो गया। रसूलाबाद चांदपुर स्थित जियो पेट्रोल पंप के पास एक तेज रफ्तार वैगनआर कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे स्थित करीब 5 फीट गहरी खंती में जा गिरी। इस हादसे में कार सवार एक ही परिवार के छह लोग घायल हो गए, जिनमें दो बच्चे भी शामिल हैं। बताया जा रहा है कि सभी लोग लखनऊ से हरदोई की तरफ जा रहे थे। अचानक सामने आए एक बाइक सवार को बचाने के प्रयास में कार चालक वाहन से नियंत्रण खो बैठा, जिसके परिणामस्वरूप कार खंती में जा गिरी। हादसे में कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और उसमें बैठे दो लोग अंदर फंस गए। सूचना मिलते ही रहीमाबाद पुलिस और स्थानीय

ग्रामीण मौके पर पहुंचे। काफी मशक्कत के बाद कार का दरवाजा और केबिन काटकर फंसे लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया।

घायलों में हरदोई के बेनीगंज गिरधरपुर निवासी सच्चिदानंद, उनकी पत्नी अनुराधा, बेटा धर्म और बेटी अक्षरा शामिल हैं। कार चालक और एक अन्य व्यक्ति भी घायल हुआ है। सभी घायलों को एंबुलेंस की मदद से मलिहाबाद सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर घायलों को ट्रॉमा सेंटर रेफर कर दिया गया। हादसे के बाद मौके पर काफी देर तक लोगों की भीड़ जुटी रही। पुलिस ने क्षतिग्रस्त कार को कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

जनरल स्टोर की दुकान में आग

लखनऊ। लखनऊ के सरोजनी नगर थाना क्षेत्र में बीती रात एक जनरल स्टोर में आग लग गई। इस घटना में दुकान में रखा करीब 6 लाख रुपए का सामान जलकर राख हो गया। आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है।

अमौसी निवासी सुशील कुमार की अमौसी गांव में उनके घर के अगले हिस्से में परचून, इलेक्ट्रिक सामान और स्टेशनरी की दुकान है। जबकि, मकान के पिछले हिस्से में वह परिवार सहित रहते हैं। रविवार रात करीब 11 बजे सुशील दुकान बंद कर घर के अंदर चले गए थे।

रात करीब 1 बजे उनके बेटे ऋषि ने दुकान से तेज धुआं और आग की लपटें उठती देखीं। उसने तुरंत अपने पिता को इसकी सूचना दी। सूचना मिलने पर सुशील कुमार और पड़ोसियों ने समर-सेबल पंप से आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन सफलता नहीं मिली। इसके बाद फायर कंट्रोल रूम को घटना की जानकारी दी गई। सूचना के बाद सरोजनी नगर फायर स्टेशन से एक दमकल गाड़ी मौके पर पहुंची।

हिन्दी दैनिक
तमसा संकेत
www.tamsasanket.com
tamsasanketnews24@gmail.com

वंदे मातरम पूरे देश में अनिवार्य हो : ओपी राजभर

लोकार्पण

उन्नाव में कला प्रशिक्षण केंद्र का किया लोकार्पण, पंचायत चुनाव को लेकर भी दिया बड़ा बयान

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव के हसनगंज तहसील क्षेत्र के मोहान स्थित बीबीपुर चिरियारी मोड़ पर सोमवार को कला प्रशिक्षण केंद्र का लोकार्पण किया गया। कार्यक्रम में पंचायती राज विभाग के मंत्री ओमप्रकाश राजभर मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे। इस दौरान उन्होंने पंचायत चुनाव और मदरसों में 'वंदे मातरम' को लेकर बड़ा बयान दिया।

लोकार्पण समारोह में मुख्य विकास अधिकारी कृति राज समेत कई प्रशासनिक अधिकारी और स्थानीय जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। कार्यक्रम में पहुंचे मंत्री ओमप्रकाश राजभर का कार्यकर्ताओं और स्थानीय लोगों ने स्वागत किया।

फीता काटकर केंद्र का उद्घाटन करने के बाद मंत्री ने ग्रामीणों और युवाओं को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि सरकार गांवों के विकास और युवाओं को रोजगार से जोड़ने के लिए लगातार काम कर रही है।

यह कला प्रशिक्षण केंद्र युवाओं को हुनर सीखने का अवसर देगा, जिससे वे आत्मनिर्भर बन सकेंगे।

पंचायत चुनाव पर दिया बयान

कार्यक्रम के बाद पत्रकारों से बातचीत में मंत्री से पंचायत चुनाव को लेकर सवाल किया गया। इस पर उन्होंने कहा कि "कोई प्रशासक नियुक्त किया जा रहा है। मंत्री की अनुमति मिल गई है। आज या कल में आदेश जारी हो जाएगा।" मंत्री के इस बयान के बाद पंचायत चुनाव और प्रशासनिक व्यवस्था को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं।

वंदे मातरम' पर कही बड़ी बात

मदरसों में 'वंदे मातरम' अनिवार्य किए जाने के सवाल पर मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने कहा कि यह केवल मदरसों में नहीं, बल्कि पूरे देश में सभी को गाना होगा। उन्होंने कहा, "पूरे देश में राष्ट्रगान और 'वंदे मातरम' सबको गाना है।"

> कार्यक्रम में अधिकारियों ने बताया कि कला प्रशिक्षण केंद्र के माध्यम से स्थानीय युवाओं और महिलाओं को विभिन्न कलाओं का प्रशिक्षण दिया जाएगा। इससे स्वरोजगार और रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। समारोह में बड़ी संख्या में क्षेत्रीय लोग, प्रशासनिक अधिकारी और पार्टी कार्यकर्ता मौजूद रहे।

योगी के ड्रीम-प्रोजेक्ट लोधेश्वर महादेव धाम कॉरिडोर का काम शुरू

बाराबंकी के रामनगर में अधिग्रहित भवनों को गिराया गया

तमसा संकेत, एजेंसी

बाराबंकी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के ड्रीम प्रोजेक्ट लोधेश्वर महादेव धाम कॉरिडोर का निर्माण कार्य बाराबंकी जिले की रामनगर तहसील में शुरू हो गया है। प्रशासन ने कॉरिडोर निर्माण के लिए अधिग्रहित 29 मकानों को ध्वस्त कर दिया है। जिलाधिकारी ईशान प्रताप सिंह के निर्देश पर तहसील प्रशासन और राजस्व विभाग की टीम ने सोमवार तक करीब 30 अधिग्रहित मकानों और दुकानों में से 29 को बुलडोजर चलाकर गिरा दिया। ध्वस्त किए गए मकानों का मलबा भी तेजी से हटाया जा रहा है। ठेकेदार अरशद की निगरानी में जेसीबी मशीनों से मलबे को दूसरी जगह डंप किया जा रहा है। बताया जा रहा है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 2017 और 2022 के विधानसभा चुनाव के दौरान रामनगर क्षेत्र के लोगों से लोधेश्वर महादेव धाम में कॉरिडोर निर्माण का वादा किया था। अब इस परियोजना पर अमल शुरू हो गया है। स्थानीय लोगों के बीच चर्चा है कि ध्वस्त मकानों से निकले पुराने ईंट-पत्थरों को मलबा हटाने के बाद करीब 3500 रुपये में बेचा जा रहा है। हालांकि प्रशासन की ओर से इस संबंध में कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। धाम पहुंचे श्रद्धालु अवधेश कुमार, रामानुज, देवेश और देव कुमार ने बताया कि करोड़ों रुपये स्वीकृत होने के बावजूद निर्माण कार्य की गति धीमी है। उन्होंने प्रशासन से काम में तेजी लाने की मांग की, ताकि भविष्य में आने वाले श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं मिल सकें।

फास्ट न्यूज

प्रेमी जोड़े ने एक पेड़ पर फांसी लगाई

बाराबंकी। बाराबंकी में एक प्रेमी जोड़े ने साथ में सुसाइड कर लिया। दोनों के शव गांव से एक किमी दूर एक सुनसान जगह पर पेड़ से लटके मिले। दोनों के शव पेड़ की अलग-अलग डालियों पर लटके थे। ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस पहुंची और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा। मामला सतरिख थाना क्षेत्र के गेंदूवर गांव का है। फंदे पर लटके युवक की पहचान गेंदूवर गांव के रहने वाले रोहित (25) के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, रोहित की शादी एक साल पहले हुई थी।

हरदोई डीएम-एसपी ने शांति व्यवस्था बनाए रखने की अपील की

हरदोई। हरदोई में आगामी त्योहारों को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से सोमवार को एक महत्वपूर्ण पीस कमेटी की बैठक आयोजित की गई। यह बैठक कलेक्ट्रेट स्थित स्वामी विवेकानंद सभागार कक्ष में हुई। जिलाधिकारी अनुनय झा और पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा ने संयुक्त रूप से इसकी अध्यक्षता की। जिलाधिकारी अनुनय झा ने धर्मगुरुओं और प्रबुद्धजनों से संवाद करते हुए कहा कि हरदोई हमेशा से गंगा-जमुनी तहजीब और आपसी भाईचारे का प्रतीक रहा है। हर्षोल्लास और शांति के साथ मनाने की अपील की।

गंगा दशहरा पर गाजियाबाद के मुरादनगर में उमड़ी भीड़

गाजियाबाद। गंगा दशहरा के मौके पर गाजियाबाद और हापुड़ में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ रही है। गाजियाबाद के मुरादनगर गंगनहर और हापुड़ के गढ़-बृजघाट पर सुबह से ही स्नान करने वालों का तांता लगा हुआ है। दिल्ली और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कई जिलों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं, जिससे हाईवे और प्रमुख मार्गों पर जाम की स्थिति बन रही है। भीड़ और जाम को देखते हुए गाजियाबाद ट्रैफिक पुलिस ने भारी वाहनों के लिए डायवर्जन प्लान लागू कर दिया है।

स्वच्छता रैंकिंग के दावों की खुली पोल

डाईट संस्थान के सामने सड़क पर भरा गंदा पानी और कीचड़

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। हरदोई शहर में स्वच्छता रैंकिंग में बेहतर स्थान मिलने के दावों के बावजूद, जमीनी हकीकत अलग है। नगर पालिका परिषद की कथित लापरवाही के कारण नघेटा रोड बदहाल है। यहां नालियां चोक होने से गंदा पानी सड़कों पर बह रहा है और जगह-जगह कीचड़ फैला हुआ है, जिससे स्थानीय लोगों को भारी परेशानी हो रही है।

यह स्थिति जिलाधिकारी कार्यालय से मात्र 200 मीटर की दूरी पर है। नघेटा रोड पर स्थित जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (DIET) हरदोई के सामने सड़क पर गंदा पानी भरा हुआ है। इसी मार्ग पर आरआर कॉलेज सहित कई सरकारी और निजी शिक्षण संस्थान तथा अस्पताल भी हैं।

इन संस्थानों और अस्पतालों में प्रतिदिन बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं, शिक्षक, मरीज और आम नागरिक आते-जाते हैं। इसके बावजूद, क्षेत्र में नियमित सफाई और जल निकासी की कोई समुचित व्यवस्था नहीं दिख रही है। स्थानीय निवासियों ने बताया कि कुछ महीने पहले यहां एक नाले का निर्माण कराया गया था, लेकिन उसकी गुणवत्ता बेहद खराब रही। लोगों का आरोप है कि नाला बनने के बाद भी जल निकासी की समस्या बनी हुई है, जिससे निर्माण कार्य में अनियमितता और भ्रष्टाचार की आशंका जताई जा रही है।

सड़क पर बहते गंदे पानी और कीचड़ के कारण फिसलन बढ़ गई है और पूरे इलाके में दुर्गंध फैल गई है। इससे राहगीरों के साथ-साथ दुकानदार भी प्रभावित हो रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है।

कि जब जिलाधिकारी कार्यालय के इतने करीब ऐसे हालात हैं, तो शहर और जिले के अन्य इलाकों की स्थिति का अंदाजा आसानी से लगाया जा सकता है।

इस मामले में नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी रामेन्द्र सिंह ने बताया कि नाले का निर्माण कार्य अभी चल रहा है, जिसके कारण जलभराव की स्थिति बनी हुई है। उन्होंने आश्वासन दिया कि नाला निर्माण पूरा होने के बाद यह समस्या हल हो जाएगी। सड़क पर लगातार बह रहे गंदे पानी के कारण पूरे इलाके में दुर्गंध फैल रही है। इसका असर आसपास की दुकानों और संस्थानों पर भी पड़ रहा है। दुकानदारों का कहना है कि गंदगी और बदबू के कारण ग्राहक प्रभावित हो रहे हैं।स्थानीय निवासियों ने नाराजगी जताते हुए कहा कि जब जिलाधिकारी कार्यालय के इतने करीब यह हाल है, तो शहर और जिले के अन्य इलाकों की स्थिति का अंदाजा आसानी से लगाया जा सकता है।

इस मामले में नगर पालिका परिषद के अधिशासी अधिकारी रामेन्द्र सिंह ने बताया कि क्षेत्र में नाले का निर्माण कार्य अभी जारी है।

निर्माण कार्य के चलते अस्थायी रूप से जलभराव की स्थिति बनी हुई है।

उन्होंने दावा किया कि नाला निर्माण पूरा होने के बाद जल निकासी की समस्या का समाधान हो जाएगा और लोगों को राहत मिलेगी।

हरदोई में कांग्रेस का प्रदर्शन, कार्रवाई की मांग

महोबा में दलित छात्रा की और टैक्सी चालक से मारपीट का मामला

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। हरदोई में जिला एवं शहर कांग्रेस कमेटी ने महोबा की दलित छात्रा के साथ हुई घटना और बिलग्राम-मल्लावां में टैक्सी चालक आलोक मिश्रा से मारपीट व अवैध रंगदारी के विरोध में प्रदर्शन किया। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कलेक्ट्रेट परिसर में इकट्ठा होकर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर आयोजित इस प्रदर्शन के दौरान, कांग्रेस नेताओं ने राज्यपाल को संबोधित एक ज्ञापन जिलाधिकारी के माध्यम से प्रेषित किया। ज्ञापन में दोनों घटनाओं की उच्चस्तरीय और निष्पक्ष जांच कराने की मांग की गई है। इसके साथ ही, दोषियों के खिलाफ कठोरतम कार्रवाई सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया गया। कांग्रेस नेताओं ने प्रदेश में लगातार बढ़ रही आपराधिक घटनाओं और बिगड़ती कानून व्यवस्था पर चिंता व्यक्त की। जिला कांग्रेस अध्यक्ष विक्रम पांडे ने कहा कि प्रदेश सरकार कानून व्यवस्था बनाए रखने में पूरी तरह विफल साबित हो रही है। उन्होंने आश्वस्त किया कि कांग्रेस पार्टी पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए हर स्तर पर संघर्ष करेगी और आवश्यकता पड़ने पर आंदोलन को और तेज किया जाएगा। शहर कांग्रेस अध्यक्ष अनुपम दीक्षित ने महोबा और बिलग्राम-मल्लावां की घटनाओं को दुर्भाग्यपूर्ण और शर्मनाक बताया। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई नहीं हुई, तो कांग्रेस पार्टी जनहित में बड़ा आंदोलन करने को बाध्य होगी। इस प्रदर्शन में पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष अजय सिंह, युवा कांग्रेस जिला अध्यक्ष मोहन सिंह, शहर कांग्रेस उपाध्यक्ष उमा राजवंशी, ब्लाक अध्यक्ष शरीफ अहमद, पीसीसी सदस्य आशीष पाल, जिला उपाध्यक्ष अजीत विशाल, शहर महासचिव इस्लाम गाजी, जिला सचिव राम नरेश अर्कवंशी, जिला महासचिव रूप लाल कोरी, विनोद यादव, एन.एस.यू.आई हसन अहमद, मुकेश वर्मा, अनूप सिंह, लतीफ अहमद, मोहम्मद तौफीक, सबिल अंसारी, रामदेव मिश्रा, अल्ताफ अंसारी, रामशंकर कुशवाहा, इमदाद हुसैन, अकरम खान, लंकुश गुप्ता और रिजबान खान सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सड़क पार कर रही महिला को वाहन ने मारी टक्कर

उन्नाव में बेटी के घर जाते समय कानपुर-लखनऊ हाइवे पर हादसा

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव में लखनऊ-कानपुर नेशनल हाईवे पर सड़क पार करते समय एक महिला को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। इस हादसे में महिला की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतक की पहचान माखी थाना क्षेत्र के डीहा राऊ करना गांव निवासी बाबूदेई (50) पत्नी स्व. राजा राम के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार, बाबूदेई सोमवार को अपनी बेटी के घर दुर्गा खेड़ा पूआ लेकर जा रही थीं। वह मजदूरी कर अपने परिवार का भरण-पोषण करती थीं। गहरा गांव के पास लखनऊ-कानपुर नेशनल हाईवे पार करते समय एक तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाबूदेई गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़ीं और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद आसपास मौजूद लोगों ने पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। घटना की जानकारी मिलते ही परिजन भी मौके पर पहुंच गए। बाबूदेई के परिवार में तीन बेटियां और एक बेटा है। परिवार की आर्थिक स्थिति पहले से ही कमजोर है। अब कमाने वाले सदस्य की मौत के बाद परिवार के सामने रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो गया है। पुलिस ने बताया कि अज्ञात वाहन की तलाश की जा रही है।

बकरीद पर प्रशासन ने जारी किए निर्देश

सड़क पर नमाज नहीं, प्रतिबंधित पशु कटान पर रोक

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव में आगामी बकरीद पर्व को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन पूरी तरह सतर्क हो गया है। इसी क्रम में सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में सेंट्रल पीस कमेटी की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिलाधिकारी घनश्याम मीणा, एसएसपी जयप्रकाश सिंह, एडीएम, एएसपी, सभी एसडीएम, सीओ समेत विभिन्न धर्मों और समुदायों के गणमान्य लोग मौजूद रहे। इस दौरान त्योहार के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने को लेकर कई महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश जारी किए गए। बैठक के बाद जिलाधिकारी घनश्याम मीणा ने बताया कि प्रशासन का उद्देश्य त्योहार को शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न कराना है। उन्होंने सभी समुदायों के लोगों से सहयोग की अपील की ताकि आपसी भाईचारा बना रहे और किसी भी प्रकार की अव्यवस्था न हो। उन्होंने बताया कि पशु कटान के बाद निकलने वाले अपशिष्ट के निस्तारण को लेकर भी विशेष दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। कटान के बाद बचने वाले अवशेषों को पूरी तरह ढंककर ही परिवहन कराया जाएगा तथा पर्याप्त गहराई वाले गड्ढों में ही उनका निस्तारण किया जाएगा, ताकि स्वच्छता व्यवस्था प्रभावित न हो। डीएम ने कहा कि जिले में मौजूद सभी सूअर बाड़ों को भी नोटिस जारी कर दिए गए हैं। उन्हें निर्देशित किया गया है कि त्योहार के दौरान सूअरों को खुले में न छोड़ा जाए, जिससे किसी प्रकार की धार्मिक भावना आहत न हो।

> एसएसपी जयप्रकाश सिंह ने कहा कि त्योहार के दौरान सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद रहेगी। जिलेभर में पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों की संयुक्त पेट्रोलिंग कराई जाएगी। संवेदनशील क्षेत्रों में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात रहेगा और सोशल मीडिया पर भी नजर रखी जाएगी। बैठक में मौजूद गणमान्य लोगों ने भी प्रशासन को सहयोग का भरोसा दिलाया।

सड़क पर नमाज नहीं होगी

जिलाधिकारी ने साफ कहा कि सड़क पर नमाज अदा करने की अनुमति नहीं होगी। सभी लोग निर्धारित स्थलों पर ही नमाज पढ़ेंगे। प्रशासन ने चेतावनी दी है कि प्रतिबंधित पशुओं के कटान की सूचना मिलने पर तत्काल कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

> डीएम ने स्पष्ट निर्देश दिए कि सड़क पर नमाज अदा नहीं की जाएगी। सभी लोग निर्धारित स्थानों पर ही नमाज पढ़ेंगे। इसके अलावा, प्रतिबंधित पशुओं के कटान पर पूरी तरह रोक रहेगी और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

हादसा : दो भैंसों समेत चार बकरियों की मौत, लाखों का नुकसान, घंटों मशक्कत कर पाया गया काबू

भीषण आग में 10 घर जलकर राख

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। हरदोई जिले के कासिमपुर थाना क्षेत्र के नंदा खेड़ा गांव में सोमवार दोपहर 12 बजे अज्ञात कारणों से लगी आग में 10 घर जलकर राख हो गए है। वही दो भैंसों समेत चार बकरियों की जलकर मौत हो गयी है। सूचना मिलने पर फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची।

दमकल कर्मियों ने ग्रामीणों के सहयोग से घंटों मशक्कत कर आग पर काबू पाया। हालांकि तब तक कई परिवारों की जीवन भर की जमा पूंजी जलकर राख हो चुकी थी। अग्निकांड में सबसे ज्यादा नुकसान विशंभर पुत्र ठकुरी को हुआ। उनके घर में रखा करीब 5 कुंतल गेहूं, 4 कुंतल धान, 5 कुंतल सरसों, बोरिंग का सामान, मोटर, दो साइकिलें और इलेक्ट्रिक उपकरण सहित पूरा गृहस्थी का सामान जल गया। हालत यह हो गई कि परिवार के पास खाने तक के लिए कुछ नहीं बचा। वहीं रामजीवन पुत्र सत्नू का पूरा घर आग की भेंट चढ़ गया। उनके घर में रखा लगभग 7 कुंतल गेहूं, 4 बोरी सरसों, 3 बोरी धान, पंपिंग सेट मशीन और घरेलू सामान पूरी तरह नष्ट हो गया।

हादसे में जलकर राख हुई साइकिल और अन्य गृहस्थी।

अनुज पुत्र चंदन की दो बकरियां, पंपिंग सेट मशीन, ठेलिया और चारपाई जल गई। शिवपाल पुत्र कल्लू की दो भैंसें झुलस गईं, जबकि उनकी दो बकरियों की मौत हो गई। इसके अलावा तख्त, गेहूं, चोकर, कई कुंतल आलू, भूसा, साइकिल, रजाई-गद्दा समेत अन्य सामान भी जल गया।

प्रमोद कुमार पुत्र शिवपाल का गृहस्थी का सामान, हरिश्चंद्र पुत्र शिवपाल का बंगला और छप्पर तथा संतोष का छप्पर, कपड़े और अन्य सामान भी आग में नष्ट हो गया। पीड़ितों को आर्थिक मदद और राहत सामग्री की मांग

> घटना की जानकारी मिलते ही राजस्व विभाग से लेखपाल आदित्य कुमार मौके पर पहुंचे और नुकसान का आकलन किया। पशुपालन विभाग के डॉ. सचिन कुमार ने झुलसे पशुओं का उपचार किया। वहीं कासिमपुर थाना प्रभारी निरीक्षक घनश्याम राम ने भी घटनास्थल का निरीक्षण कर पीड़ित परिवारों को हरसंभव मदद का आश्वासन दिया। ग्रामीणों ने प्रशासन से आर्थिक सहायता और राहत सामग्री उपलब्ध कराने की मांग की है।

किसान की सड़क हादसे में मौत

खेत से लौटते समय अज्ञात वाहन ने बाइक को मारी टक्कर

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव जिले के सफीपुर थाना क्षेत्र में खेत से घर लौट रहे एक किसान की सड़क हादसे में मौत हो गई। अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलने पर पुलिस ने घायल किसान को अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। इस घटना के बाद परिवार में मातम छा गया है। जानकारी के अनुसार, सफीपुर थाना क्षेत्र के रायपुर गांव, पोस्ट मुस्तफाबाद निवासी 50 वर्षीय तेज शंकर पुत्र स्वर्गीय तुलई खेती-किसानी का काम करते थे। वे अपनी बाइक से खेत से घर वापस लौट रहे थे, तभी रास्ते में किसी अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे के बाद तेज शंकर सड़क पर गंभीर रूप से घायल अवस्था में पड़े मिले। राहगीरों और ग्रामीणों की भीड़ मौके पर जमा हो गई, जिन्होंने तत्काल पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घायल किसान को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया, लेकिन गंभीर चोटों के कारण डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। तेज शंकर की मौत की खबर मिलते ही उनके परिवार में चीख-पुकार मच गई। पत्नी और बच्चों का रो-रोकर बुरा हाल है। ग्रामीणों ने बताया कि तेज शंकर बेहद मेहनती और शांत स्वभाव के व्यक्ति थे, जो पूरी तरह खेती पर निर्भर थे और उसी से अपने परिवार का भरण-पोषण करते थे। मृतक के परिवार में तीन बेटे और तीन बेटियां हैं, जिनमें से दो बच्चे दिव्यांग हैं। इन बच्चों की देखभाल की पूरी जिम्मेदारी तेज शंकर पर ही थी। उनकी अचानक मौत के बाद परिवार के सामने एक बड़ा आर्थिक और सामाजिक संकट खड़ा हो गया है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस ने अज्ञात वाहन की तलाश शुरू कर दी है और आसपास के लोगों से पूछताछ कर मामले की जांच कर रही है। मृतक के परिवार में दो दिव्यांग बच्चे हैं, जिनकी देखभाल और इलाज की जिम्मेदारी तेज शंकर पर थी। उनकी मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। ग्रामीणों के मुताबिक तेज शंकर खेती कर अपने छह बच्चों और परिवार का पालन-पोषण करते थे। वह गांव में मेहनती किसान के रूप में जाने जाते थे।

सम्पादकीय

घुसपैठियों की वापसी

यह अच्छा है कि पश्चिम बंगाल की नई भाजपा सरकार पहले दिन से ही राज्य के हालात सुधारने वाले एक के बाद एक ठोस फैसले लगातार ले रही है। ऐसा समय की मांग भी है, क्योंकि ममता बनर्जी ने अपने 15 साल के शासन में कई मोर्चों पर राज्य को एक तरह से पटरी से उतारने का काम किया था। इसे देखते हुए शुभेंदु सरकार के लिए यह आवश्यक है कि वह तेजी के साथ निर्णायक फैसले ले। इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि बंगाल कई गंभीर चुनौतियों का सामना कर रहा है। इनमें से कई चुनौतियां ममता सरकार की तुष्टीकरण की नीतियों का परिणाम थीं।

तुष्टीकरण की इन्हीं नीतियों से उपजी समस्याओं से पार पाने के लिए पिछले दिनों शुभेंदु सरकार ने एक ओर जहां मजहबी आधार पर जारी नीतियों को समाप्त करने का फैसला लिया, वहीं दूसरी ओर कानून एवं व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए भी ठोस कदम उठाए हैं। इसी सिलसिले में उसकी ओर से बंगाल में रह रहे बांग्लादेशी घुसपैठियों को चिह्नित करने और उन्हें निकालने के लिए जो कदम उठाने शुरू किए हैं, उनकी सराहना की जानी चाहिए। इन कदमों के तहत घुसपैठियों की पहचान कर उन्हें हिरासत केंद्र में रखा जाएगा। इसके लिए सभी जिलों में हिरासत केंद्र बनाए जा रहे हैं।

सभी बांग्लादेशी घुसपैठियों को चिह्नित कर उन्हें वापस भेजना आसान काम नहीं, लेकिन राज्य और केंद्र सरकार को मिलकर यह करना ही होगा, क्योंकि एक तो उनकी संख्या बहुत अधिक है और दूसरे उनकी पहचान करना भी कठिन हो गया है। इसका कारण यह है कि तमाम घुसपैठिए फर्जी पहचान पत्र हासिल कर बंगाल के मतदाता बन चुके हैं। इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि मतदाता बने ये बांग्लादेशी घुसपैठिए राज्य के कई चुनाव क्षेत्रों के परिणाम को प्रभावित करने में उसी तरह समर्थ हो गए थे, जैसे कि असम में हो गए थे। बांग्लादेशी घुसपैठियों को वापस भेजने के अभियान को सुगम बनाने के लिए भारत सरकार को बांग्लादेश सरकार से भी संपर्क-संवाद करना होगा। बांग्लादेश सरकार के सहयोग के बिना अवैध रूप से भारत आए उनके नागरिकों को वापस भेजना कठिन हो सकता है। इस कठिनाई को हल करने का काम केंद्र सरकार को अपने हाथ में लेना चाहिए। इसके अतिरिक्त यह भी सुनिश्चित करना होगा कि भविष्य में बांग्लादेश से कोई घुसपैठ न होने पाए।

यह एक तथ्य है कि अभी तक संकीर्ण राजनीतिक कारणों और सच कहा जाए तो वोट बैंक की सस्ती राजनीति के कारण बांग्लादेश से होने वाली घुसपैठ की अनदेखी ही नहीं हो रही थी, बल्कि एक तरह से उसे बढ़ावा भी दिया जा रहा था। यह सिलसिला दशकों से कायम था। दुर्भाग्य से ममता बनर्जी ने भी इस सिलसिले पर विराम नहीं लगाया। उलटे वह घुसपैठियों के समर्थन में आ खड़ी हुई थीं।

अनुशासन का प्रभाव

क्या हम दैनिक जीवन में तनिक सा कष्ट तो बिना ओह ऊफ के सहन कर पाते हैं? जरा सी भी मनचाही न होने पर क्या हम शान्तचित्त रह पाते हैं ? जीवन की विषम परिस्थितियों में उद्विग्न तो नहीं हो जाते हैं ? क्या हम भगवान् महावीर की तरह संयत रह पाते हैं? तनिक भी विचलित नहीं हो जाते हैं? जीवन में जो भी कष्ट आते है, क्या हम कर्मोदय मान कर सहन कर लेते हैं? या आलाप-विलाप करने लगते हैं? क्या हम हर परिस्थिति में तनाव मुक्त रह पाते हैं? क्या हम अनेकान्तवाद के सुन्दर सिद्धांत को जीवन के आचरण का अभिन्न अंग बना पाते हैं ? हठधर्मी पर तो नहीं अड़ जाते हैं? हम स्थूल हिंसा तो नहीं करते हैं पर क्या मानसिक, वाचिक हिंसा पर लगाम कस पाते हैं? क्या हम परिग्रह से अपरिग्रह की ओर कदम बढ़ाने का प्रयास कर पाते हैं? क्या हम इस तरह के छोटे-छोटे व्रत-नियम ग्रहण करने की प्रवृत्ति रखते हैं? आदि - आदि । इस तरह इन सब प्रश्नों के उत्तर में हम गहराई से चिंतन में यदि जायें तो हमको इसके उत्तर में अनुशासन किसी न किसी रूप में अवश्य मिलेगा । अधिकांशतया देखा गया की अशांति के पीछे एक ही बात सामने आती है और वह यह हैं की एक दूसरे के प्रति हमारे मन में सम्मान की कमी हैं । हमारा मन इस कारण कुढ़ता रहता है। अशांति का एक कारण हमारी असीमित इच्छाएं भी है यानी की जितने भी द्वंद,उपद्रव, अशांति और अराजकता आदि है वे सब व्यक्ति के भीतर ही है । उसकी तृष्णा ही उसकी चिंता और जहां चिंता वहां शांति कैसे ? अशांति के झंझावातों में मूल्यवान शब्द शांति है - और यह सब मन का खेल है जिस दिन अपने विवेक द्वारा अपने मन को हमने अनुशासन से साध लिया उस दिन हमको समझ आ जायेगा की शांति में ही सार है । हमको दिन की शुरुआत में लगेगा की जिंदगी में पैसे बहुत जरूरी हैं लेकिन दिन ढलने के बाद समझ आता है कि जिंदगी में शांति वह अनुशासन का होना अधिक जरूरी है ।

› प्रदीप छाजेड़

> आज की सबसे बड़ी चुनौती केवल आर्थिक नहीं, बल्कि भावनात्मक निर्धनता की है। नई पीढ़ी का एक बड़ा वर्ग आत्मकेंद्रित होता जा रहा है। भौतिक उपलब्धियाँ, कैरियर, उपभोगवाद और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की अवधारणाएँ जीवन के केंद्र में आ गई हैं।

यह कैसा समाज है, जिसमें अदालतें समझाएं रिश्तों का धर्म

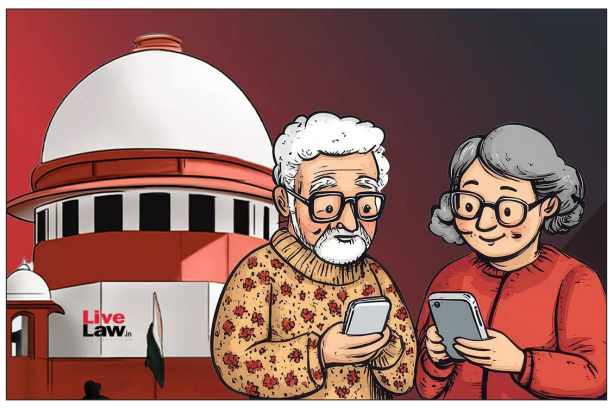

किसी भी सभ्यता की वास्तविक पहचान उसकी ऊँची इमारतों, चमकती सड़कों, आर्थिक प्रगति या तकनीकी उपलब्धियों से नहीं होती, बल्कि इस बात से होती है कि वह अपने बुजुर्गों, माता-पिता और निर्बल वर्ग के प्रति कितना संवेदनशील है। लेकिन आज का सबसे पीड़ादायक प्रश्न यही है कि जिस भारत ने "मातृ देवो भवः, पितृ देवो भवः" का उद्घोष किया, जिस धरती से "वसुधैव कुटुम्बकम्" का विचार पूरी दुनिया में पहुँचा, उसी भूमि पर आज माता-पिता को अपने ही घर में सम्मान और आश्रय पाने के लिए अदालतों का दरवाजा खटखटाना पड़ रहा है। हाल के वर्षों में देश की अदालतों में ऐसे मामलों की संख्या बढ़ी है, जहाँ वृद्ध माता-पिता को अपने ही बच्चों से संरक्षण, भरण-पोषण, रहने की व्यवस्था और संपत्ति पर अधिकार के लिए न्यायिक हस्तक्षेप लेना पड़ा। कहीं बेटे को अदालत यह निर्देश दे रही है कि वह अपनी वृद्ध मां को घर में एक कमरा, अलग स्नानघर और बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराए, तो कहीं दुर्व्यवहार करने वाली संतान को माता-पिता की संपत्ति से बेदखल करने के आदेश दिए जा रहे हैं। यह केवल कानूनी घटनाएँ नहीं, बल्कि हमारे सामाजिक और नैतिक पतन की वे चेतावनियाँ हैं जो भविष्य के भारत की तस्वीर पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगा रही हैं।

वास्तव में यह अत्यंत विडंबनापूर्ण है कि जिस मां ने नौ महीने गर्भ में रखकर संतान को जीवन दिया, जिसने अपना रक्त, ममता और त्याग देकर उसे पाला, उसी मां को अपने ही घर में रहने के लिए न्यायालय की शरण लेनी पड़े। जिस पिता ने अपने पसीने और परिश्रम से घर बनाया, बच्चों का भविष्य संवारा, वृद्धावस्था में उसी घर में उसके अधिकार के लिए अदालत को हस्तक्षेप करना पड़े, यह स्थिति केवल व्यक्तिगत कृतघ्नता नहीं, बल्कि सामाजिक संवेदनाओं के क्षरण का प्रमाण है। यह प्रश्न इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि आज भारत विकसित भारत 2047 की दिशा में आगे बढ़ रहा है। आर्थिक विकास, डिजिटल क्रांति, स्मार्ट शहर, वैश्विक नेतृत्व और आत्मनिर्भरता की बातें हो रही हैं। लेकिन यदि घर के किसी कोने में बैठे वृद्ध माता-पिता अकेलेपन, उपेक्षा और अपमान का जीवन जी रहे हों, तो क्या यह विकास पूर्ण माना जा सकता है? यदि हमारे बुजुर्ग अपनी छोटी-छोटी आवश्यकताओं के लिए भी दूसरों पर निर्भर और उपेक्षित हो जाएँ, तो हमारी सारी उपलब्धियाँ खोखली प्रतीत होती हैं। संयुक्त परिवार टूट रहे हैं, रिश्तों की ऊष्मा कम हो रही है और संवाद का स्थान डिजिटल माध्यम ले रहे हैं। परिणामतः बुजुर्गों का जीवन अकेलेपन, अवसाद और असुरक्षा का पर्याय बनता जा रहा है। यह सच है कि महानगरीय जीवन की अपनी कठिनाइयाँ हैं। रोजगार, समयाभाव, आर्थिक दबाव और बदलती जीवनशैली ने नई पीढ़ी की चुनौतियाँ बढ़ाई हैं। लेकिन इन कठिनाइयों के बावजूद माता-पिता के प्रति दायित्व समाप्त नहीं हो सकते। भारतीय संस्कृति में माता-पिता की सेवा केवल सामाजिक परंपरा नहीं, बल्कि जीवन-मूल्य रही है। श्रवण कुमार का आदर्श केवल कथा नहीं, बल्कि भारतीय चेतना का हिस्सा है।

दुर्भाग्य यह है कि आज संपत्ति और स्वार्थ ने अनेक संबंधों को प्रभावित किया है। अखबारों में आए दिन ऐसे समाचार दिखाई देते हैं जिनमें संपत्ति के लिए माता-पिता को प्रताड़ित किया जाता है, घर से निकाला जाता है, मानसिक यातना दी जाती है या उनकी उपेक्षा की जाती है। अनेक वृद्धाश्रम ऐसे माता-पिता से भरे पड़े हैं जिनकी सबसे बड़ी "गलती" केवल यह थी कि उन्होंने अपनी पूरी जिंदगी बच्चों के लिए समर्पित कर दी। यदि यह प्रवृत्ति यूँ ही बढ़ती रही तो भारत भी उस दिशा में बढ़ सकता है जहाँ पश्चिमी देशों की तरह माता-पिता और संतान के संबंध केवल कानूनी और औपचारिक होकर रह जाएँ। पश्चिमी समाज में अनेक माता-पिता प्रारंभ से ही बच्चों को आत्मनिर्भर बना देते हैं क्योंकि वे भविष्य में उनसे देखभाल की अपेक्षा नहीं रखते। लेकिन भारतीय समाज का आधार इससे भिन्न रहा है। यहाँ परिवार केवल जैविक इकाई नहीं, बल्कि भावनात्मक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक संस्था रहा है।

यह भी स्मरणीय है कि देश में वरिष्ठ नागरिकों का भरण-पोषण एवं कल्याण अधिनियम, 2007 जैसे कानून बनाए गए हैं ताकि वृद्ध माता-पिता के अधिकारों की रक्षा हो सके। न्यायालयों ने अनेक अवसरों पर माता-पिता के संपत्ति अधिकारों को सुरक्षित रखा है और दुर्व्यवहार करने वाली संतानों के विरुद्ध कठोर टिप्पणियाँ भी की हैं। लेकिन कानून केवल सुरक्षा दे सकता है, संवेदना नहीं। अदालतें कमरे दिला सकती हैं, सम्मान नहीं, भरण-पोषण का आदेश दे सकती हैं, लेकिन ममता और अपनत्व नहीं लौटा सकतीं। यही कारण है कि समाधान केवल कानूनी नहीं, सामाजिक और सांस्कृतिक होना चाहिए। परिवारों में संस्कारों की पुनर्स्थापना आवश्यक है। बच्चों को केवल उच्च शिक्षा और आधुनिक सुविधाएँ देना पर्याप्त नहीं, बल्कि उन्हें मानवीय मूल्य भी देना होंगे। विद्यालयों, धार्मिक संस्थाओं और सामाजिक संगठनों को परिवार, सेवा, कृतज्ञता और बुजुर्ग सम्मान जैसे विषयों पर गंभीर पहल करनी चाहिए। आज आवश्यकता है कि विकसित भारत 2047 की अवधारणा में "वृद्ध सम्मान" को भी एक महत्वपूर्ण सूचक बनाया जाए। जिस देश में बुजुर्ग सुरक्षित, सम्मानित और संतुष्ट होंगे, वही वास्तव में विकसित कहा जा सकेगा। हमें ऐसी नीतियाँ बनानी होंगी जिनमें वृद्धजन कल्याण, स्वास्थ्य, सामाजिक सुरक्षा और भावनात्मक सहयोग को प्राथमिकता मिले। साथ ही परिवारों को यह समझना होगा कि माता-पिता केवल जिम्मेदारी नहीं, हमारी जड़ें हैं। जिस वृक्ष की जड़ें सूख जाएँ, उसकी शाखाएँ अधिक समय तक हरी नहीं रह सकतीं। माता-पिता की उपेक्षा केवल एक व्यक्ति की नहीं, पूरी पीढ़ी की नैतिक पराजय है। यह भी विचारणीय है कि जो संतान आज अपने माता-पिता के साथ व्यवहार कर रही है, वही व्यवहार भविष्य में उसके हिस्से भी आ सकता है।

ललित गर्ग

हिमालय क्षेत्र में ...

डॉ. शैलेश शुक्ला

'तपती धरती, तड़पता जीवन और तंत्र की तंद्रा : बिगड़ता पर्यावरण संतुलन और अस्तित्व का संकट'

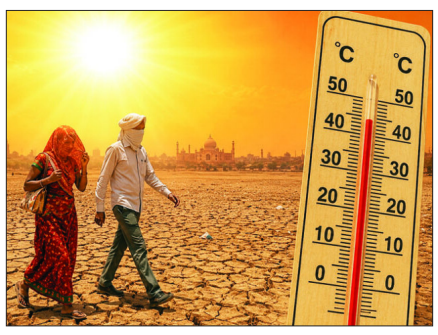

यह केवल कैलेंडर की एक तारीख नहीं, बल्कि मानव सभ्यता के सामने खड़े सबसे बड़े संकट का जीवंत दस्तावेज बनती जा रही है। भारत सहित दुनिया के अनेक हिस्से भीषण गर्मी, जल संकट, अनियमित वर्षा, बाढ़, सूखा, जंगलों में आग, प्रदूषण और जलवायु असंतुलन की भयावह परिस्थितियों से गुजर रहे हैं। पिछले कुछ वर्षों में प्रकृति ने जितनी तीव्र चेतावनियां दी हैं, शायद इतिहास में इतनी लगातार और व्यापक चेतावनियां पहले कभी नहीं मिलीं। लेकिन दुखद सत्य यह है कि मनुष्य अब भी अपनी तथाकथित "विकास यात्रा" के नशे में इतना डूबा हुआ है कि उसे अपनी ही जड़ों के कटने की आवाज सुनाई नहीं दे रही। हाल ही में आई रिपोर्टों में बताया गया कि दुनिया के सबसे गर्म शहरों की सूची में बड़ी संख्या भारत के शहरों की रही। उत्तर भारत, मध्य भारत और पश्चिम भारत के अनेक क्षेत्रों में तापमान 48 से 50 डिग्री सेल्सियस के आसपास पहुंच गया। राजस्थान, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, हरियाणा और विदर्भ जैसे क्षेत्रों में धरती मानो आग उगलती दिखाई दी। सड़कों पर दोपहर के समय सन्नाटा छा गया। मजदूरों का काम करना कठिन हो गया। अस्पतालों में हीट स्ट्रोक के मरीज बढ़ने लगे। पक्षी आसमान से गिरने लगे। जलाशय सिकुड़ने लगे। यह केवल "गर्मी" नहीं थी; यह प्रकृति का वह आक्रोश था जिसे हमने वर्षों तक नजर-अंदाज किया। आज भारत का सामान्य नागरिक यह महसूस करने लगा है कि मौसम अब पहले जैसा नहीं रहा। बचपन की गर्मियां और आज की गर्मियों में जमीन-आसमान का अंतर है। कभी मई-जून की दोपहरें भी इतनी भयावह नहीं लगती थीं। गांवों में पेड़ों की छांव, मिट्टी की नमी, तालाबों की ठंडक और हवाओं की प्राकृतिक ताजगी वातावरण को संतुलित रखती थी। लेकिन आज शहरों से लेकर गांवों तक कंक्रीट का साम्राज्य फैल चुका है। पेड़ों की जगह टावर खड़े हो गए हैं। खेतों की जगह कॉलोनियां बन गई हैं। तालाबों को पाटकर मॉल और इमारतें खड़ी कर दी गईं। परिणामस्वरूप धरती की स्वाभाविक शीतलता समाप्त होती चली गई।

विडंबना यह है कि जिस आधुनिकता को हमने प्रगति माना, उसी ने जीवन के आधारों को कमजोर कर दिया। हमने वातानुकूलित कमरों को विकास का प्रतीक बना दिया, लेकिन यह नहीं सोचा कि करोड़ों एसी मशीनें वातावरण को और अधिक गर्म कर रही हैं। हमने निजी वाहनों की संख्या को प्रतिष्ठा से जोड़ दिया, लेकिन यह नहीं समझा कि बढ़ता ईंधन दहन हवा को जहरीला बना रहा है। हमने उद्योगों को आर्थिक समृद्धि का आधार माना, लेकिन उन उद्योगों से निकलने वाले प्रदूषण ने नदियों, मिट्टी और वातावरण को विषाक्त बना दिया।

आज भारत के बड़े शहर "हीट आइलैंड" में बदलते जा रहे हैं। दिल्ली, लखनऊ, कानपुर, जयपुर, भोपाल, नागपुर, अहमदाबाद और हैदराबाद जैसे शहरों में सीमेंट, डामर और कंक्रीट दिनभर सूर्य की गर्मी सोखते हैं और रात में भी वातावरण को ठंडा नहीं होने देते। यही कारण है कि अब रातें भी पहले जैसी राहत नहीं देतीं। तापमान लगातार ऊंचा बना रहता है।

लेकिन यह संकट केवल शहरों तक सीमित नहीं है। गांवों में भी जल संकट गहरा रहा है। भूमिगत जल स्तर तेजी से नीचे जा रहा है। कुएं सूख रहे हैं। छोटे तालाब समाप्त हो रहे हैं। कई क्षेत्रों में किसानों को सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी नहीं मिल रहा। खेती का पूरा चक्र प्रभावित हो रहा है। कभी असमय वर्षा फसलों को बर्बाद कर देती है, तो कभी लंबे सूखे से उत्पादन घट जाता है।

हिमालय क्षेत्र में ग्लेशियरों के पिघलने की गति बढ़ रही है। वैज्ञानिक लगातार चेतावनी दे रहे हैं कि यदि यही स्थिति रही, तो भविष्य में नदियों के जलस्तर और जलचक्र पर गंभीर प्रभाव पड़ सकता है। उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में पिछले वर्षों में आई विनाशकारी बाढ़ और भूस्खलनों ने यह स्पष्ट कर दिया कि अंधाधुंध निर्माण और पर्यावरणीय नियमों की अनदेखी कितनी घातक हो सकती है। केरल, असम और पूर्वोत्तर के अनेक क्षेत्रों में बाढ़ की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं। दूसरी ओर राजस्थान और बुंदेलखंड जैसे क्षेत्र बार-बार सूखे की मार झेलते हैं। यह असंतुलन केवल प्राकृतिक नहीं है; इसके पीछे मानवजनित कारण भी उतने ही जिम्मेदार हैं।

जौनपुर की मीरा ने नीली क्रांति में की हिस्सेदारी: मत्स्य पालन से बदली तस्वीर

उत्तर प्रदेश में कृषि और उससे जुड़े क्षेत्रों में नवाचार के जरिए ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के प्रयास तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। इस बदलाव में मत्स्य पालन एक ऐसे मुनाफे वाले क्षेत्र के रूप में उभरा है जिसने न केवल पारंपरिक किसानों की आय में वृद्धि की है बल्कि महिलाओं और युवाओं को भी स्वावलंबन का एक नया रास्ता दिखाया है। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न कल्याणकारी और विकासपरक योजनाओं के चलते राज्य में मछली पालन अब सिर्फ एक पारंपरिक व्यवसाय नहीं रह गया है बल्कि यह एक आधुनिक और अत्यधिक लाभकारी उद्योग का रूप ले चुका है।

ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के नए अवसर पैदा करने और मछुआरों व मत्स्य पालकों को आर्थिक सुरक्षा देने के लिए प्रदेश सरकार के मत्स्य पालन विभाग द्वारा कई प्रभावी कदम उठाए जा रहे हैं। इन योजनाओं का मुख्य उद्देश्य मछली पालन से जुड़े लोगों को आधुनिक तकनीक उपलब्ध कराना, बुनियादी ढांचे को मजबूत करना और वित्तीय सहायता के माध्यम से उनके जोखिम को कम करना है। सरकार द्वारा संचालित इन पहलों में लाभार्थियों को चालीस से लेकर साठ प्रतिशत तक का भारी अनुदान दिया जा रहा है जिससे आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लोग भी इस व्यवसाय से जुड़कर अपनी तकदीर बदल रहे हैं। इस दिशा में केंद्र सरकार के सहयोग से संचालित प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना राज्य में मील का पत्थर साबित हो रही है। इस योजना के अंतर्गत नए तालाबों के निर्माण से लेकर आधुनिक तकनीकों जैसे री-सर्कुलेटरी एक्वाकल्चर सिस्टम और बायोफ्लो तकनीक को बढ़ावा दिया जा रहा है। इन उन्नत तकनीकों की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इनमें कम जमीन और कम पानी में भी अधिक मात्रा में गुणवत्तापूर्ण मछली का उत्पादन किया जा सकता है। इस योजना के तहत सरकार द्वारा सामान्य वर्ग के आवेदकों को चालीस प्रतिशत और महिला तथा अनुसूचित जाति व जनजाति वर्ग के लाभार्थियों को साठ प्रतिशत तक की बड़ी सब्सिडी दी जा रही है।

तकनीक और आर्थिक मदद के इस बेहतरीन समन्वय का एक जीवंत उदाहरण जौनपुर की महिला उद्यमी श्रीमती मीरा सिंह की सफलता की कहानी में देखा जा सकता है। श्रीमती मीरा सिंह ने जब कार्य प्रारम्भ किया तब उनके पास मात्र एक एकड़ का एक तालाब था। उन्हें मत्स्य पालन की तकनीकी जानकारियां भी नहीं थीं। ऐसे में कई चुनौतियों उनके सामने आईं। इसी बीच उन्हें सरकारी योजनाओं की जानकारी हुई और उन्होंने जौनपुर में विकास भवन स्थित मत्स्य कार्यालय में सम्पर्क किया। मत्स्य विभाग ने उनके तालाब का स्थलीय निरीक्षण किया और मत्स्य पालन की वैज्ञानिक जानकारियां दीं। उन्होंने विभागीय मार्गदर्शन और सरकारी योजनाओं का सही समय पर लाभ उठाकर मत्स्य पालन के क्षेत्र में कदम रखा। शुरुआत में छोटी चुनौतियों का सामना करने के बाद जब उन्हें अपने उत्पाद का सही बाजार मूल्य मिलने लगा तो उनका हौसला बढ़ता गया। श्रीमती मीरा सिंह का चयन वर्ष 2021-22 में प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजनान्तर्गत बीज हैचरी में हुआ तथा इन्हे मत्स्य विभाग से 15 लाख का अनुदान प्रदान किया गया। इसके बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा और धीरे-धीरे अपने उत्पादन के दायरे को विस्तार देना शुरू किया। उनकी कड़ी मेहनत और आधुनिक तौर-तरीकों को अपनाने का नतीजा यह हुआ कि वर्ष 2024-25 के दौरान उनका मत्स्य उत्पादन रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया।

जरा हटके

वित्तीय वर्ष 2025...

डॉ. मनोज चंद्रा, प्रभारी अंग्रेजी

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि: अन्नदाता की उन्नति, राष्ट्र की समृद्धि

देश के मा0 प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा किसानों के हित में संचालित प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना आज के दौर में भारतीय कृषि नीति का सबसे महत्वपूर्ण और परिवर्तनकारी योजना साबित हुई है। भारत सरकार द्वारा शत-प्रतिशत वित्त पोषित यह योजना विशेष रूप से उन छोटे और सीमांत किसानों को ध्यान में रखकर संचालित की गई है, जो अक्सर निवेश की कमी के कारण खेती में पिछड़ जाते थे। इस योजना की संरचना बेहद सरल और प्रभावी है, जिसके तहत प्रत्येक पात्र कृषक परिवार को प्रतिवर्ष 6,000 रुपये की प्रत्यक्ष वित्तीय सहायता दी जाती है। यह राशि 2,000 रुपये की तीन समान किस्तों में सीधे लाभार्थी के बैंक खाते में भेजी जाती है। योजना की सबसे बड़ी विशेषता इसका ''प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण'' (डीबीटी) तंत्र है, जिसने बिचौलियों की भूमिका को पूरी तरह समाप्त कर दिया है। उत्तर प्रदेश जैसे विशाल कृषि प्रधान राज्य में, जहाँ जोत का आकार छोटा है, यह योजना किसानों के लिए समय पर खाद, बीज और अन्य कृषि आवश्यकताओं को पूरा करने का एक विश्वसनीय जरिया बन गई है। इस योजना के तकनीकी और प्रशासनिक ढांचे में - कृषक परिवार की परिभाषा को बहुत स्पष्ट रखा गया है। उत्तर प्रदेश ने इस योजना के क्रियान्वयन में राष्ट्रीय स्तर पर कीर्तिमान स्थापित किए हैं। इस योजना के प्रारंभ से लेकर 22वीं किस्त के वितरण तक, उत्तर प्रदेश में अब तक कुल 3.12 करोड़ कृषक परिवारों को इस योजना से जोड़ा जा चुका है। इन परिवारों के बैंक खातों में अब तक कुल 99,032.58 करोड़ रुपये की बड़ी धनराशि हस्तांतरित की जा चुकी है। केवल 22वीं किस्त में ही प्रदेश के 2.18 करोड़ से अधिक लाभार्थियों को 4,364.00 करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की गई। यह निवेश न केवल ग्रामीण क्रय शक्ति को बढ़ाता है, बल्कि खेती-किसानी के प्रति किसानों के मनोबल को भी ऊँचा करता है, जिससे वे भविष्य की फसलों के लिए बेहतर योजना बनाकर खेती करते हैं। वित्तीय वर्ष 2025-26 के नवीनतम आंकड़े उत्तर प्रदेश में इस योजना की व्यापकता और सफलता की एक नई कहानी बयां करती हैं। इस वित्तीय वर्ष के दौरान, प्रदेश के 2.34 करोड़ से अधिक पात्र किसानों के खातों में 13,721 करोड़ रुपये से अधिक की राशि भेजी गई है। यह आंकड़ा केवल एक संख्या नहीं है, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था में आए उस बदलाव का प्रतीक है जो खेती को घाटे से उबारकर लाभ की ओर ले जा रहा है। लाभार्थियों के विश्लेषण से पता चलता है कि इसमें 1.91 करोड़ से अधिक पुरुष और 88 लाख से अधिक महिला कृषक परिवार शामिल हैं। महिलाओं की इतनी बड़ी भागीदारी इस योजना में महिला सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में देखें तो देश के कुल 9.7 करोड़ लाभार्थियों में से लगभग 24 प्रतिशत (2.34 करोड़ से अधिक) लाभार्थी अकेले उत्तर प्रदेश के हैं, जो डबल इंजन सरकार द्वारा योजनाओं के बेहतर कार्यान्वयन को प्रमाणित करता है।

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की विकास यात्रा का वर्षवार आंकड़ा निरंतर प्रगति की ओर अग्रसर रहा है। वर्ष 2018-2019 में 2,238.92 करोड़ रुपये के वितरण से शुरू हुआ यह सफर 2019-2020 में 11,006.87 करोड़ रुपये तक पहुँच गया। इसके बाद, वर्ष 2020-2021 में 14,432.14 करोड़, 2021-2022 में 15,775.52 करोड़ और 2022-2023 में 12,454.32 करोड़ रुपये की राशि किसानों तक पहुँची। आगामी वर्षों में भी यह गति बनी रही, जहाँ 2023-2024 में 13,808.48 करोड़ और 2024-2025 में 15,594.74 करोड़ रुपये का वितरण किया गया। वर्तमान वर्ष 2025-2026 में अब तक 13,721.59 करोड़ रुपये वितरित किए जा चुके हैं। इन आठ वर्षों के दौरान कुल वितरित राशि 99,032.58 करोड़ रुपये के विशाल आंकड़े तक पहुंच चुकी है। यह निरंतरता दर्शाती है कि सरकार किसानों की आय में वृद्धि और उन्हें कर्ज के जाल से मुक्त करने के लिए कितनी गंभीर है, जिससे ग्रामीण ऋणग्रस्तता में भारी कमी आई है।

पीएम-किसान योजना ने कृषि निवेश के प्रति किसानों के नजरिए को भी बदला है। बुआई के मौसम से ठीक पहले मिलने वाली यह राशि किसानों को साहूकारों की ऊँची ब्याज दरों वाले ऋण से बचाती है। उत्तर प्रदेश के कई जिलों में यह देखा गया है कि छोटे किसान इस राशि का उपयोग केवल बीज और खाद के लिए ही नहीं, बल्कि आधुनिक कृषि यंत्रों के किराए और सूक्ष्म सिंचाई जैसे सुधारों के लिए भी कर रहे हैं। इससे फसल की पैदावार में सुधार हुआ है और किसानों की जोखिम सहने की क्षमता बढ़ी है। राज्य सरकार द्वारा भू-लेखों के सत्यापन और ई-केवाईसी की प्रक्रिया को अनिवार्य बनाने से योजना की पारदर्शिता और भी सुदृढ़ हुई है, जिससे यह सुनिश्चित हुआ है कि सरकारी खजाने का पैसा केवल वास्तविक खेती करने वाले हाथों में ही जाए। यह डिजिटल इंडिया और कृषि के सफल संगम का एक उत्कृष्ट उदाहरण है, जिसने व्यवस्था में विश्वास पैदा किया है।

सामाजिक सुरक्षा के दृष्टिकोण से यह योजना ग्रामीण पलायन को रोकने में भी एक मूक क्रांति की तरह काम कर रही है।

काशी में स्ट्रीट पपी को लेकर बोलीं- इस पिल्ले की टांग तोड़ दी, अब हंस क्यों रहे हो

रशियन महिला ने युवक को दी गालियां

विवाद

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी। काशी में रशियन महिला ने एक युवक पर भड़क गई और उसे जमकर गालियां दीं। इस दौरान वह हाथ में एक पपी (डॉगी का बच्चा) लिए थी। गुस्से में चिल्लाने लगी- इस पिल्ले की टांग तोड़ दी, अब तुम क्यों हंस रहे हो? रविवार को हुई इस घटना का वीडियो सोमवार को सामने आया। इसमें दिख रहा है कि रशियन महिला नारद घाट जाने वाली गली में गोद में पपी लिए खड़ी है। वहीं पर युवक को गालियां दे रही है। उस पर पपी का पैर तोड़ने का आरोप लगा रही है। इस दौरान बड़ी संख्या में लोग इकट्ठा हो गए। महिला रूस की कंटेंट क्रिएटर और एनिमल रेस्क्यूअर पिंक नताशा हैं।

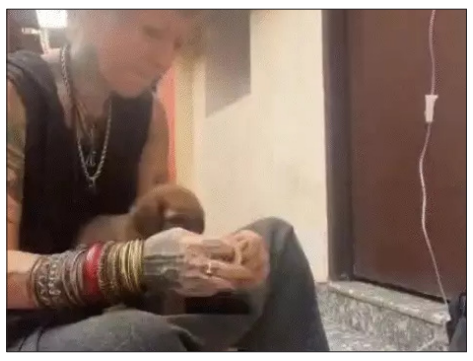

नारद घाट जाने वाली एक संकरी गली में पिंक नताशा एक घायल पपी को गोद में लेकर खड़ी है। पपी का एक पैर बुरी तरह से जख्मी है। उससे खून बह रहा है। रशियन महिला वहां मौजूद सभी लोगों को पपी का पैर दिखाती है। नताशा युवक पर आरोप लगाते हुए कहती है- तुमने बेजुबान जानवर को नुकसान पहुंचाया है। तभी युवक भी नताशा से कुछ कहता है। इस पर नताशा गुस्सा जाती है और गालियां देने लगती है। घटना के दौरान आसपास खड़े कुछ लोग हंसते रहते हैं। इस पर नताशा और ज्यादा नाराज हो जाती है। पिंक नताशा जानी-मानी रशियन व्लॉगर और रूस की सोशल वर्कर है। वह पिछले 10 साल से वाराणसी आती-जाती रहती है। यहां वह नारद घाट के लिए जाने वाली गली में स्थित एक गेस्ट हाउस में रहती है। नताशा ने दोनों हाथों और गले पर बड़े-बड़े टैटू बनवा रखे हैं। माथे पर भभूत और चंदन टीका लगाती है। नताशा को साधु-संतों की संगत में बैठकर समय बिताना काफी अच्छा लगता है। साथ ही गलियों में रहने वाले बेसहारा कुत्तों की सेवा भी करती है। उनका इलाज कराने और खाना खिलाने से लेकर ठंड तक से बचाने का काम करती है। वह इंस्टाग्राम के जरिए भारत में अपनी जिंदगी, आध्यात्मिक अनुभवों और खासकर आवारा कुत्तों की देखभाल से जुड़े वीडियो भी शेयर करती रहती है। उसकी प्रोफाइल में घायल जानवरों के इलाज, स्ट्रीट डॉग्स को खाना खिलाने और पशु क्रूरता के खिलाफ आवाज उठाने से जुड़ा कंटेंट खासतौर पर दिखाई देता है। जहां नताशा रहती है, उसके पड़ोस में रहने वाले यश चतुर्वेदी ने बताया- यह हर साल यहां पर आती है। यहां रहने वाले कुत्तों से उसे काफी लगाव है। नताशा आवारा कुत्तों की देखभाल करती है और खुद ही उनका इलाज भी करती है। अगर इन कुत्तों को कोई उसके

सामने मारता-पीटता है, तो वह गुस्से से आगबबूला हो जाती है। नताशा का कहना है कि काशी की गलियों में उन्हें जो अपनापन और करुणा देखने को मिली, उसी ने उन्हें यहां के बेसहारा कुत्तों की सेवा के लिए प्रेरित किया। नताशा ने संकल्प लिया है कि जब तक संभव होगा, वह हर साल काशी आकर इन बेजुबानों की मदद करती रहेगी।

ठंड में 100 स्ट्रीट डॉग्स को कपड़े पहनाए थे

इस साल ठंड के मौसम में नताशा ने वाराणसी में गलियों में घूमने वाले 100 से ज्यादा आवारा कुत्तों के लिए विशेष रूप से कपड़े तैयार कराए थे।

नताशा ने खुद ही गलियों में घूम-घूमकर उन्हें कपड़े पहनाए थे।

जिससे ठंड से उन्हें राहत मिल सके। गली के कुत्ते नताशा से इतना हिले हुए हैं कि उसे महीनों बाद भी देखते हैं, तो गले लग जाते हैं।

खुशी से नताशा को चूमने लगते हैं।

सड़क विवाद में बीजेपी महिला नेता से मारपीट

उन्नाव में बीच सड़क लाठी-डंडों से मारा, प्रधान पर उकसाने का आरोप

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव के मौरावां थाना क्षेत्र स्थित गालिबपुर गांव में सड़क निर्माण को लेकर हुए विवाद ने खूनी संघर्ष का रूप ले लिया। आरोप है कि इस दौरान भीड़ ने भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) महिला मोर्चा की मंडल मंत्री को घेरकर बेरहमी से पीटा। महिलाओं और पुरुषों ने लाठी-डंडों से उन पर हमला किया।

यह घटना रविवार को हुई, जिसका वीडियो सोमवार को सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया। बताया जा रहा है कि गांव में रास्ते के निर्माण कार्य को लेकर दो पक्षों के बीच कहासुनी हुई थी, जो देखते ही देखते मारपीट में बदल गई। वायरल वीडियो में कई महिलाओं और पुरुषों को एक साथ मारपीट करते देखा जा सकता है।

घटनास्थल पर अफरा-तफरी मच गई। आसपास मौजूद लोगों ने बीच-बचाव का प्रयास किया, लेकिन विवाद

- महिला मोर्च की मंडल मंत्री को ग्रामीणों ने पीटा।
- भाजपा नेता को लाठी-डंडों से मारा।

बढ़ता चला गया। इस मारपीट में कई लोगों को चोटें भी आई हैं। घायल पक्ष ने घटना के बाद पुलिस में शिकायत दर्ज कराकर कार्रवाई की मांग की है।

पीड़ित पक्ष ने आरोप लगाया है कि यह हमला गांव के प्रधान की शह पर किया गया। उनका कहना है कि सड़क निर्माण को लेकर पहले से ही विवाद चल रहा था और विरोध करने पर उन्हें निशाना बनाया गया।

दामाद की पिटाई से आहत ससुर ने किया सुसाइड

कानपुर। कानपुर में दामाद और उसके साथियों की पिटाई से आहत होकर एक चप्पल कारीगर ने पत्नी के सामने गंगा नदी में छलांग लगाकर जान दे दी। घटना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया। पत्नी की तहरीर पर दामाद समेत चार लोगों के खिलाफ बेकनगंज थाने में एफआईआर दर्ज की गई है।

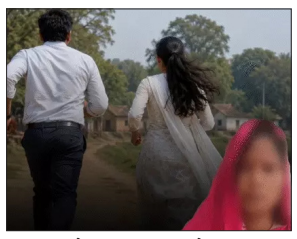

मृतक की पत्नी नरगिस ने बताया कि उनकी बेटी खातून ने करीब 6 महीने पहले मोहल्ले के ही रहने वाले फिरोज से लव मैरिज की थी। इसके बाद से ही घरेलू विवाद शुरू हो गया था।

परिजनों के अनुसार, आरोपी फिरोज अक्सर पत्नी के साथ मारपीट करता था, जिसका विरोध करने पर ससुर शकील अहमद और दामाद के बीच कहासुनी होती रहती थी।

6 महीने में 7 बार भागी बेटी...पिता ने जान दी

सुल्तानपुर में मां बोली- बेटी भगाने वाले ने पति को मार डाला

तमसा संकेत, एजेंसी

सुलतानपुर। सुल्तानपुर में एक नाबालिग 6 महीने में 7 बार अपने घर से भाग निकली। इससे आहत उसके पिता ने 18 दिन पहले फंदे पर लटक कर जान दे दी। नाबालिग की मां ने मामले में गांव के 40 साल के कोटेदार के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। मां ने पुलिस को बताया- पति की तेरहवीं भी बीती थी तब तक कोटेदार फिर से मेरी बेटी को भगा ले गया। उसने ही दो साथियों के साथ मिलकर मेरे पति की हत्या कर दी। फिर उनके शव को फंदे से लटका दिया। अब कोटेदार से मुझे भी जान का खतरा है

पुलिस ने नाबालिग को बरामद कर वन स्टॉप सेंटर में रखा है। नाबालिग का कहना है कि, मां की प्रताड़ना से ही तंग आकर मैं बार-बार घर से भाग जाती हूं। मेरा किसी से अफेयर नहीं है। मेरी मां झूठा आरोप लगाती रहती हैं। पूरा मामला कुड़वार थाना क्षेत्र के एक गांव का है। कुड़वार थाना क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली महिला सोमवार को थाने पहुंची।

दूल्हे का हत्यारोपी रवि यादव एनकाउंटर में ढेर

जौनपुर में दुल्हन के ममेरे भाई के साथ वारदात की थी, लव-मैरिज से नाराज था

तमसा संकेत, एजेंसी

जौनपुर। जौनपुर में शादी वाले दिन दूल्हे की हत्या के आरोपी रवि यादव (28) को पुलिस ने सोमवार तड़के 3 बजे एनकाउंटर में मार गिराया। उस पर एक लाख का इनाम था। उसने दुल्हन के ममेरे भाई के साथ मिलकर 24 दिन पहले यानी 1 मई को दूल्हे की हत्या कर दी थी। वजह यह थी कि दूल्हा-दुल्हन लव मैरिज कर रहे थे। दोनों इसके खिलाफ थे। पुलिस जांच में पता चला था कि रवि दुल्हन के ममेरे भाई प्रदीप बिंद का दोस्त था। प्रदीप के एक और दोस्त भोले राजभर ने दूल्हे आजाद बिंद (21) की लोकेशन शेयर की। इसके बाद प्रदीप और रवि ने बारात रोककर वारदात को अंजाम दिया। CCTV में प्रदीप-रवि नजर आए। पुलिस ने दूल्हे के पिता राम लखन बिंद की शिकायत पर तीनों के खिलाफ केस दर्ज कर 1-1 लाख का इनाम रखा।

> पुलिस के मुताबिक, रविवार रात चेकिंग के दौरान रोकने पर रवि ने बाइक नहीं रोकी। भागते हुए पुलिस पर फायरिंग कर दी। जवाबी फायरिंग में उसकी मौत हो गई। मुठभेड़ शहर से 25 किमी. दूर खेतासराय थाना क्षेत्र में हुई। पुलिस अब तक आरोपियों को पनाह देने और सहयोग करने के आरोप में 13 लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है। प्रदीप बिंद और भोले राजभर अब भी फरार हैं।

रवि यादव, मृतक

दूल्हे की बहन बोली- पुलिस लाश दिखाए, तभी मानूंगी एनकाउंटर हुआ

दूल्हे आजाद बिंद की बहन सौम्या ने कहा कि उन्हें रवि यादव के एनकाउंटर की जानकारी मीडिया के जरिए मिली है। प्रशासन की ओर से अब तक उन्हें कोई आधिकारिक सूचना नहीं दी गई।

जब तक पुलिस हमें रवि यादव की लाश नहीं दिखाएगी, तब तक हम नहीं मानेंगे कि उसका एनकाउंटर हुआ है।

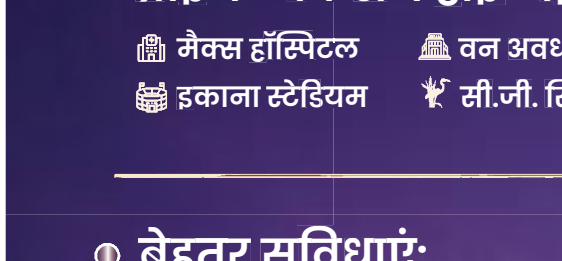

पुलिस पहले कह रही थी कि आरोपी प्रदेश से बाहर हैं, तो फिर रवि यादव यहां कैसे मिला? आरोपी प्रदीप बिंद और भोले राजभर अब भी फरार हैं।

उन्हें सत्ता और प्रशासन का संरक्षण मिल रहा है।

एनकाउंटर पर दुल्हन के पिता-मां ने क्या कहा

- दुल्हन सोनी बिंद की मां सुनीता देवी ने बताया कि शादी से पहले ही हमारी बेटी का घर उजड़ गया। जब तक सभी आरोपी पकड़े या मारे नहीं जाते, तब तक संतुष्टि नहीं मिलेगी। जैसे मेरे लड़के को बीच चौराहे पर मारा गया, वैसे ही सभी आरोपियों पर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए।
- पिता मोरखनाथ ने कहा- एक आरोपी के एनकाउंटर से क्या होगा? जितने भी अपराधी हैं, सभी पर कार्रवाई होनी चाहिए। अभी तक हम लोग सदमे से बाहर नहीं निकल पाए हैं।

जिप लाइन झूले से 45 फीट नीचे गिरा बच्चा

आगरा में सेफ्टी बेल्ट का हुक टूटा, पिता बोले- घुमाने लाया था, लाश कैसे ले जाऊं

मौत

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा। आगरा में चूड़ी कारोबारी के 16 साल के बेटे की जिप लाइन झूले से गिरकर मौत हो गई। वह मां-बाप और भाई के सामने ही 45 फीट ऊंचे झूले से सिर के बल नीचे गिरा। लड़का जैसे ही जिप लाइन में एक छोर से दूसरे छोर की तरफ बढ़ा, उसकी सेफ्टी बेल्ट का हुक टूट गया। रेलिंग से टकराता हुआ नीचे गिरा। मौके पर ही तड़प-तड़पकर मौत हो गई। बेटा जब जिप लाइन झूले पर था, तो नीचे मां और भाई वीडियो बना रहे थे। पूरा हादसा उनके फोन में रिकॉर्ड हो गया। घटना शहर के ताजगंज में रविवार शाम 6.20 बजे हुई। कुनाल का परिवार फिरोजाबाद से आगरा घूमने आया था। माता-पिता बेटे की लाश से लिपटकर रोते-रोते बेसुध हो गए। पिता ने रोते हुए कहा- जिप लाइन संचालक की लापरवाही की वजह से मेरा बेटा चला गया। मैं तो उसे घुमाने लाया था, अब उसकी लाश कैसे घर लेकर जाऊं? हादसे के बाद पुलिस ने जिप लाइन का संचालन बंद करा दिया। एसीपी ताज सुरक्षा मयंक तिवारी ने बताया- संतोष दुबे ईओडी (एवरी अदर डे) एडवेंचर कंपनी का मैनेजर है। अभिषेक सेफ्टी इंचार्ज है। दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया है।

बच्चा पहले लोहे की जाली से टकराया, फिर सीधे जमीन पर आ गिरा। उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

वीडियो में दिखा बच्चे के माता-पिता का दर्द

पिता (रोते और लोगों से गुहार लगाते हुए)- पुलिस को फोन लगा दो... पुलिस को फोन लगा दो कोई। एक बार हमारे कहने से फोन लगा दो। अपने-अपने बच्चों को संभालो, यहां मत लाया करो कोई भी... अपने बच्चों को। हाथ जोड़कर निवेदन है कि चौपाटी में किसी को मत लाना। यहां बहुत लापरवाही है। किसी का कोई ध्यान नहीं रखते हैं। पैसों के नाम पर लूटते हैं और लापरवाही इतनी कि बच्चों का कोई ध्यान ही नहीं है।

लाश के बगल में बैठकर रोते रहे माता-पिता

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, कर्मचारियों ने बच्चे को जिप लाइन पर चढ़ाया और बेल्ट पहनाई। उसे दूसरे छोर की तरफ छोड़ा गया। इसी दौरान हादसा हो गया। बच्चा पहले लोहे की जाली से टकराया, फिर सीधे जमीन पर आ गिरा। माता-पिता ने दौड़कर बेटे को उठाया, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। इसके बाद वे बेटे की लाश के बगल में बैठकर रोते रहे। सूचना पर पहुंची पुलिस ने परिवार को समझाकर शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा।

जांच में सामने आया कि प्रॉपर मेंटिनेंस नहीं होने के चलते हुक टूटा था। इसी के चलते हादसा हुआ। DCP सिटी सैयद अली अब्बास ने कहा- कुनाल के पिता की एप्लिकेशन पर ताजगंज थाने में बीएनएस की धारा- 105 (गैरइरादतन हत्या का केस) में दर्ज किया गया है। इसमें कंपनी के मालिक और सेफ्टी इंचार्ज को नामजद किया गया है।

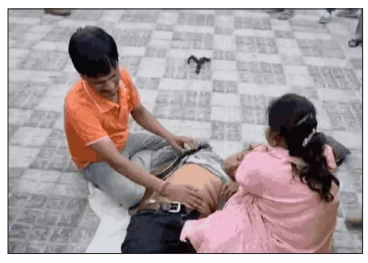

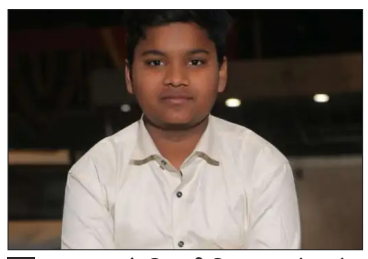

यह कुनाल है, जिसकी जिप लाइन के झूले का हुक टूटने से मौत हो गई।

बेटे की जिद पर पिता ने जिपिंग के लिए हां की थी

फिरोजाबाद के चूड़ी कारोबारी पंकज अग्रवाल ने बताया- मेरे 2 बेटे हैं। बड़ा बेटा कुनाल 11वीं में पढ़ता था। छोटा मयंक है। संडे होने की वजह से फैमिली के साथ आगरा आए थे। सुबह पहले खाटू श्याम मंदिर गए। वहां से गोल्ड सिनेमा में फिल्म देखी। इसके बाद शाम 5 बजे ताजगंज की चौपाटी पर पहुंचे। कुनाल को एडवेंचर का शौक था। जिप लाइन को देखकर वह जिद करने लगा। कहने लगा कि उसे भी जिपिंग करनी है। मैंने हामी भर दी। हमने 400 रुपए का टिकट खरीदा। जब बेटा जिप लाइन पर जाने लगा, तो छोटे भाई मयंक से बोला- तुम मेरा वीडियो बनाते रहना।

शामली नगर पालिका में कर्मचारियों का प्रदर्शन

विभिन्न मांगों को लेकर कार्य बहिष्कार शुरू

तमसा संकेत, एजेंसी

शामली। शामली नगर पालिका परिषद के कर्मचारियों ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर प्रदर्शन किया और कार्य बहिष्कार शुरू कर दिया है। कर्मचारियों ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगों का जल्द समाधान नहीं किया गया, तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। कर्मचारियों ने घोषणा की है कि नगर पालिका क्षेत्र में सफाई कार्य सहित कार्यालय का समस्त कार्य बंद रहेगा। यूनियन पदाधिकारियों का कहना है कि इस हड़ताल के दौरान उत्पन्न होने वाली किसी भी समस्या की जिम्मेदारी नगर पालिका प्रशासन और शासन की होगी धरने के दौरान कर्मचारियों ने कई प्रमुख मांगें उठाईं। इसमें नगर पालिका के बढ़ते क्षेत्रफल को देखते हुए 100 आउटसोर्सिंग सफाई कर्मचारियों की नियुक्ति शामिल है। इसके अतिरिक्त, डोर-टू-डोर सफाई कर्मचारियों को शासनादेश के अनुसार बढ़ा हुआ वेतन देने, आउटसोर्सिंग सफाई कर्मचारियों को 18 हजार रुपये मासिक वेतन प्रदान करने और संविदा सफाई कर्मचारियों को सातवें वेतन आयोग का लाभ दिए जाने की मांग भी की गई है। कर्मचारियों ने स्पष्ट किया है कि जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं होतीं, तब तक हड़ताल जारी रहेगी।

फास्ट न्यूज

रेडिको खेतान फैक्ट्री पर ड्राइवरों का प्रदर्शन

सीतापुर। सीतापुर में चालक संघ के नेतृत्व में ड्राइवरों और मोटर मालिकों की विभिन्न समस्याओं को लेकर सोमवार को रेडिको खेतान के यूनिट हेड अंशुल श्रीवास्तव को ज्ञापन सौंपा।
संगठन ने कंपनी प्रबंधन से भाड़ा बढ़ाने, ज्ञापन में चालक संघ के अध्यक्ष पिंदर सिंह सिद्धू ने कहा कि विभिन्न ट्रांसपोर्टों के माध्यम से चल रही परमानेंट गाड़ियों के ड्राइवर और मोटर मालिक गंभीर आर्थिक संकट से गुजर रहे हैं।

नाबालिग ने सालों से छेड़छाड़ का आरोप लगाया

शामली। शामली जनपद के सदर कोतवाली क्षेत्र में एक नाबालिग लड़की से कई सालों से छेड़छाड़ और बदसलूकी का मामला सामने आया है। पीड़िता ने अपने पड़ोसियों समेत कुछ अन्य लोगों पर घर में घुसकर परेशान करने और आपत्तिजनक टिप्पणी करने का आरोप लगाया है। इस संबंध में पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई है।
पीड़िता का आरोप है कि आरोपी पिछले कई सालों से उसके साथ ऐसी घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं। आरोपियों के खिलाफ पहले भी पीड़िता से जुड़े एक मामले में कोर्ट में मुकदमा विचाराधीन है।

गंगा दशहरा पर यमुना घाटों पर उमड़ा आस्था का सैलाब

फिरोजाबाद। फिरोजाबाद में सोमवार को गंगा दशहरा के अवसर पर यमुना घाटों पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। सुबह से ही हजारों भक्तों ने यमुना में आस्था की डुबकी लगाई और विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। इस दौरान उन्होंने परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की। पर्व को लेकर प्रशासन पूरी तरह सतर्क रहा। सुरक्षा व्यवस्था के लिए विभिन्न घाटों पर भारी पुलिस बल तैनात किया गया था।

वसुंधरा में आग फैली ने गाड़ियों को चपेट में लिया, सिलेंडर ब्लास्ट होने से मची दहशत

आग से एक दर्जन झुग्गियां जलीं

- दमकल के जवान आग बुझाते हुए। आसपास के लोग बाल्टी लेकर भी पहुंचे।
- आग से 2 किमी दूर तक धुआं आसमान में फैल गया।
- आग से सड़क किनारे गाड़ियां भी चपेट में आ गईं।

तमसा संकेत, एजेंसी

गाजियाबाद। गाजियाबाद के वसुंधरा सेक्टर-3 इलाके में सोमवार दोपहर उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब सड़क किनारे बनी झुग्गियों में अचानक भीषण आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और कई झोपड़ियां इसकी चपेट में आ गईं। आग के दौरान लगातार सिलेंडर ब्लास्ट होने से पूरे इलाके में दहशत फैल गई। आग की लपटों ने सड़क किनारे खड़ी चार कारों को भी अपनी चपेट में ले लिया। घटना की सूचना मिलते ही फायर विभाग की सात गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया गया। दमकल कर्मियों ने करीब 30 मिनट की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। हालांकि आग लगने के कारणों का अभी तक स्पष्ट पता नहीं चल सका है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार आग इतनी तेजी से फैली कि लोगों को संभलने तक का मौका नहीं मिला। देखते ही देखते कई झुग्गियां धू-धू कर जलने लगीं और आसपास भगदड़ जैसी स्थिति बन गई। आग की इस घटना में करीब 12 झुग्गी-झोपड़ियां पूरी तरह जलकर राख हो गईं। हालांकि दमकल कर्मियों ने तेजी से कार्रवाई करते हुए आसपास की कई अन्य झुग्गियों को बचा लिया। आग की चपेट में आने से सड़क किनारे खड़ी चार कारें भी क्षतिग्रस्त हो गईं।

सिलेंडर फटने से दहशत

स्थानीय लोगों के मुताबिक आग के दौरान 4 से 5 गैस सिलेंडर ब्लास्ट हुए, जिससे तेज धमाकों की आवाजें सुनाई दीं। करीब 20 मिनट तक सिलेंडर फटने का सिलसिला चलता रहा। हालांकि राहत की बात यह रही कि समय रहते फायर विभाग और स्थानीय लोगों ने सात सिलेंडरों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया, जिससे बड़ा हादसा टल गया।

पशुओं को सुरक्षित निकाला गया

बताया जा रहा है कि झुग्गियों के पास कुछ पशु भी बंधे हुए थे। आग लगते ही स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए उन्हें सुरक्षित बाहर निकाल लिया। गनीमत रही कि इस हादसे में कोई पशु हताहत नहीं हुआ।

राष्ट्रीय प्रेस दिवस के अवसर पर सूचना निदेशक शिशिर ने सूचना निदेशालय के सभागार में आयोजित कार्यक्रम में सभी पत्रकार बंधुओं को प्रेस दिवस की शुभकामनाएं और बधाई दी।

अमेरिकी विदेश मंत्री ने पूछा- ताजमहल कितने लोगों ने बनाया

पत्नी जेनेट बोलीं- अगली बार बच्चों को लेकर आऊंगी, डायना बेंच पर फोटो खिंचवाई

- अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को, पत्नी जेनेट डी. रुबियो के साथ ताजमहल देखने आगरा पहुंचे। भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर भी उनके साथ थे।

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा। अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने पत्नी जेनेट रूबियो के साथ सोमवार को ताजमहल देखा। दोनों ने डायना बेंच पर बैठकर फोटो खिंचवाए। 41 डिग्री तापमान में मार्को और जेनेट 45 मिनट तक ताजमहल परिसर में घूमे। जेनेट ने ताज को देखकर कहा- बेहद खूबसूरत। गाइड नितिन सिंह से दोनों ने ताजमहल की नक्काशी के बारे में जानकारी ली और कई सवाल पूछे। नितिन ने को फोन पर बताया कि मार्को और जेनेट बहुत खुश थे। ताजमहल की खूबसूरती और आर्किटेक्चर से काफी प्रभावित हुए। उन्होंने बताया- मार्को ने पूछा कि ताजमहल को बनाने में कितने लोग लगे थे। जेनेट इतनी खुश हुईं कि उन्होंने कहा- अगली बार बच्चों को साथ लेकर आऊंगी। सूर्योदय के वक्त ताज के नजारे का आनंद लूंगी। बता दें कि मार्को और जेनेट के चार बच्चे हैं- 2 बेटियां डैनिएला और अमांडा, बेटे एंथनी और डोमिनिक। इससे पहले, मार्को काले कोट-पैंट में, जबकि जेनेट गाउन में काला चश्मा लगाकर ताजमहल पहुंचे। दोनों 60 लोगों के प्रतिनिधिमंडल के साथ सुबह 10 बजे आगरा पहुंचे। एयरपोर्ट पर कमिश्नर दीपक कुमार और डीएम मनीष बंसल ने उनको रिसीव किया। यहां से सीधे ताजमहल पहुंचे और गोल्फ कार्ट से परिसर के भीतर गए। ताजमहल देखने के बाद मार्को रूबियो प्रतिनिधिमंडल के साथ होटल अमर विलास पहुंचे। यहां लंच के बाद वे दोपहर 12:48 बजे खेरिया एयरपोर्ट से विशेष विमान से जयपुर रवाना हो गए। मार्को के दौरे को देखते हुए ताजमहल में बैरिकेडिंग की गई और अंदर मौजूद पर्यटकों को कुछ समय के लिए बाहर कर दिया गया था। रूबियो शनिवार से 4 दिन के भारत दौरे पर हैं।

धूल मुक्त अभियान शुरू

नगर आयुक्त ने अधिकारियों को 10 दिन में सफाई के दिए सख्त निर्देश

तमसा संकेत, एजेंसी

गजियाबाद। गाजियाबाद नगर निगम ने मोहन नगर तिराहे से ज्ञानी बॉर्डर तक एक विशेष धूल मुक्त अभियान शुरू किया है। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने इस पूरे मार्ग का निरीक्षण किया। उन्होंने सड़क किनारे फैली धूल, गंदगी और खराब ग्रीन बेल्ट की स्थिति पर अधिकारियों को कड़ी फटकार लगाई। निरीक्षण के बाद, नगर आयुक्त ने नगर निगम, पीडब्ल्यूडी और जल निगम के अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अगले 10 दिनों के भीतर इस पूरे रास्ते को साफ, व्यवस्थित और धूल मुक्त बनाया जाए।

उन्होंने जोर दिया कि दिल्ली से गाजियाबाद आने वाला यह मुख्य मार्ग शहर की पहचान है, इसलिए यहां सफाई और व्यवस्था बेहतर दिखनी चाहिए।

नगर आयुक्त ने चेतावनी दी कि सड़क किनारे कहीं भी मलबा या निर्माण सामग्री पड़ी मिलने पर संबंधित विभाग और जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई की जाएगी।

उन्होंने मोहन नगर से राजेंद्र नगर, श्याम पार्क, राजबाग, शहीद नगर होते हुए ज्ञानी बॉर्डर तक ग्रीन बेल्ट और सेंट्रल वर्ज को सुधारने के भी निर्देश दिए। उद्यान विभाग को तुरंत पौधे लगाने, गमले रखने और हरियाली बढ़ाने का काम शुरू करने को कहा गया।

साथ ही, ग्रीन बेल्ट पर हो रहे अतिक्रमण को हटाने के आदेश भी दिए गए।

जल निगम को सड़क पर फैले मलबे को हटाने और अधूरे कार्यों को जल्द पूरा करने के निर्देश मिले। पीडब्ल्यूडी को सड़क के गड्ढे भरने और खराब हिस्सों की मरम्मत करने के लिए कहा गया। स्वास्थ्य विभाग को सफाई व्यवस्था सुधारने और दुकानों के बाहर फैली गंदगी हटाने के निर्देश दिए गए।

कर्मचारियों की मदद से सड़क से धूल हटाने का काम शुरू कर दिया है। जलकल विभाग द्वारा पानी का छिड़काव कराया जा रहा है और ग्रीन बेल्ट को भी व्यवस्थित किया जा रहा है।

प्रशासन का लक्ष्य है कि आने वाले दिनों में यह पूरा मार्ग साफ, सुंदर और धूल मुक्त दिखाई दे।

बाराबंकी के पीएमश्री राजकीय इंटर कॉलेज के 40 छात्र-छात्राएं पांच दिवसीय शैक्षिक भ्रमण पर गए

तमसा संकेत, संवाददाता

बाराबंकी। बाराबंकी के सूरतगंज स्थित पीएमश्री राजकीय इंटर कॉलेज के 40 छात्र-छात्राओं को पांच दिवसीय शैक्षिक भ्रमण पर प्रदेश से बाहर भेजा गया। यह शैक्षिक यात्रा 6 फरवरी 2026 से 10 फरवरी 2026 तक आयोजित की गई, जिसमें विद्यार्थियों ने चंडीगढ़, पंजाब और हरियाणा के कई प्रमुख शैक्षणिक एवं अनुसंधान संस्थानों का भ्रमण किया। यह कार्यक्रम जिला विद्यालय निरीक्षक ओ.पी. त्रिपाठी और विद्यालय के प्रधानाचार्य अरविंद सिंह के निर्देशन में आयोजित किया गया। यात्रा के दौरान छात्रों को विज्ञान, शोध, पर्यावरण संरक्षण और ग्रामीण विकास से जुड़े विषयों की व्यावहारिक जानकारी दी गई। हरियाणा के पिंजौर स्थित वल्चर कंजर्वेशन एंड ब्रीडिंग सेंटर में विद्यार्थियों ने गिद्धों की विभिन्न प्रजातियों और उनके संरक्षण के बारे में विस्तार से जानकारी प्राप्त की। विशेषज्ञों ने बताया कि गिद्धों को प्रकृति का सफाईकर्मी कहा जाता है, क्योंकि वे मृत पशुओं को खाकर पर्यावरण को स्वच्छ बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। छात्रों को भारत में पाई जाने वाली गिद्ध प्रजातियों और उनके संरक्षण से जुड़े प्रयासों के बारे में भी जानकारी दी गई। इस दौरान विद्यार्थियों ने पर्यावरण संतुलन में वन्यजीवों की भूमिका को करीब से समझा। अगले दिन छात्र-छात्राओं ने मोहाली स्थित इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एजुकेशन एंड रिसर्च (आईआईएसईआर) का भ्रमण किया। यहां विद्यार्थियों को विज्ञान और शोध के क्षेत्र में चल रहे कार्यों की जानकारी दी गई। छात्रों ने संस्थान की आधुनिक प्रयोगशालाओं का अवलोकन किया और वैज्ञानिक अनुसंधान की प्रक्रिया को करीब से समझा।

प्रमुख संस्थानों का कराया गया भ्रमण

शैक्षिक भ्रमण के दौरान छात्र-छात्राओं को चंडीगढ़ स्थित सीआरआरआईडी, पंजाब के मोहाली स्थित आईआईएसईआर और हरियाणा के पिंजौर स्थित वल्चर कंजर्वेशन एंड ब्रीडिंग सेंटर ले जाया गया। यात्रा के दौरान विद्यालय के शिक्षक संजय कुमार और रावेंद्र वर्मा छात्रों के साथ मौजूद रहे और पूरे कार्यक्रम की निगरानी करते रहे। विद्यार्थियों को वातानुकूलित रेल कोच से चंडीगढ़ पहुंचाया गया। उनके ठहरने के लिए वातानुकूलित होटल में व्यवस्था की गई थी। साथ ही भोजन और नाश्ते की भी समुचित व्यवस्था की गई, जिससे विद्यार्थियों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

पृष्ठ 01 का शेष...

महाराष्ट्र में कार...

पुलिस ने बताया कि सभी 8 लोग रविवार रात 2 बजे SUV से डापोली के हार्नें से सतारा के लिए रवाना हुए थे। जब वे सतारा नहीं पहुंचे, तो उनके परिजनों ने दोपहर में उनकी तलाश शुरू की। जब कुछ पता नहीं चला तो पुलिस से संपर्क किया। जांच के दौरान कार में सवार लोगों के मोबाइल फोन की लास्ट लोकेशन ट्रेस की गई। सभी की आखिरी लोकेशन पोलादपुर के पास ट्रेस हुई। इसके बाद अंबेनली घाट इलाके में सर्च ऑपरेशन चलाया गया। सोमवार सुबह पुलिस को 800 फीट गहरी खाई में बुरी तरह से क्षतिग्रस्त SUV मिली। nइसके बाद लोकल की रेस्क्यू टीम को बुलाया गया। इसके बाद खाई में उतरा गया। 2 शव रेस्क्यू किए गए। 3 शव की लोकेशन मिली। बाकी शवों की तलाश जारी है। शवों को एहतियात के साथ खाई से निकाला गया। कर्नाटक के उत्तर कन्नड़ जिले के भटकल में रविवार को एक ही परिवार के 11 लोगों की डूबने से मौत हो गई। इनमें 9 महिलाएं शामिल हैं। परिवार के 14 लोग तट्टीहक्कल कालिनट्टी स्ट्रीम में सीपियां (क्लैम्स) इकट्ठा करने गए थे। पुलिस के मुताबिक, शरदाहोले गांव का परिवार सीपियां इकट्ठा करने उस जगह गया था, जहां स्ट्रीम अरब सागर से मिलती है। सीपियां इकट्ठा करना इस इलाके का मौसमी काम माना जाता है। जब सभी स्ट्रीम में उतरे, तब पानी का बहाव कम था, लेकिन जैसे ही वे गहराई में उतरे तो हाई टाइड की वजह से पानी का बहाव तेज हो गया। स्ट्रीम में ज्यादा गाद होने से लोग तुरंत पानी से बाहर नहीं आ सके। इन लोगों को तैराना भी नहीं आता था। एक-दूसरे को बचाने के चक्कर में सभी ने एक-दूसरे हाथ पकड़े, लेकिन तेज बहाव में बहते चले गए।

एआईएडीएमके के 3...

इसी बीच षणमुगम-वेलुमणि गुट के 5 विधायक वापस पलानीसामी के खेमे में लौट आए। इसके बाद पलानीसामी समर्थक विधायकों की संख्या बढ़कर 27 हो गई है। 3 विधायकों के इस्तीफे और पांच विधायकों के पलानीसामी खेमे में जाने के बाद, षणमुगम-वेलुमणि खेमे में विधायकों की संख्या 25 से घटकर 17 हो गई है। AIADMK प्रमुख पलानीस्वामी ने पूरे घटनाक्रम को प्री-प्लांड कॉन्सपिरेसी और हॉर्स ट्रेडिंग करार दिया। DMK प्रमुख और पूर्व CM एमके स्टालिन ने कहा कि TVK हॉर्स-स्पीड से हॉर्स ट्रेडिंग कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि पहले TVK ने बहुमत के लिए सहयोगी दलों का समर्थन मांगा, फिर फ्लोर टेस्ट के दौरान AIADMK के बागी गुट का समर्थन हासिल किया और अब विधायकों से इस्तीफा दिलवाकर उन्हें अपनी पार्टी में शामिल कराया जा रहा है।उन्होंने आरोप लगाया कि सचिवालय के ग्राउंड फ्लोर पर इस्तीफे स्वीकार किए गए और फर्स्ट फ्लोर पर TVK की सदस्यता दिलाई गई। DMK प्रमुख और पूर्व CM एमके स्टालिन ने कहा कि TVK हॉर्स-स्पीड से हॉर्स ट्रेडिंग कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि पहले TVK ने बहुमत के लिए सहयोगी दलों का समर्थन मांगा, फिर फ्लोर टेस्ट के दौरान AIADMK के बागी गुट का समर्थन हासिल किया और अब विधायकों से इस्तीफा दिलवाकर उन्हें अपनी पार्टी में शामिल कराया जा रहा है।

एक्ट्रेस ट्विशा केस...

दरअसल ट्विशा शर्मा 12 मई को भोपाल के कटारा हिल्स स्थित अपने ससुराल में फंदे से लटकी मिली थीं। ट्विशा की मौत को ससुराल पक्ष आत्महत्या बता रहा है, जबकि मायके पक्ष ने पति और ससुरालवालों पर हत्या का आरोप लगाया है। इस केस से जुड़ी मीडिया रिपोर्ट्स के आधार पर सुप्रीम कोर्ट ने खुद नोटिस लिया है। सुनवाई के दौरान CJI सूर्यकांत ने कहा कि मीडिया में छपी एक खबर में ज्यूडिशियरी की निष्पक्षता पर सवाल उठाए गए। यह बताया गया कि ट्विशा का पति एक वकील है और मां पूर्व जिला जज हैं। सवाल यह था कि क्या जांच में अनुचित प्रभाव डाला जा सकता है। यह भी कहा गया कि कोर्ट की संलिप्तता के कारण निष्पक्ष जांच नहीं हो पाई। इसलिए हमने खुद एक्शन लेते हुए कार्यवाही शुरू की। CJI सूर्यकांतः इस केस में दो या तीन पहलू थे। एक तो दूसरे पोस्टमॉर्टम से जुड़ा था, जो अब पूरा हो चुका है। कुछ चीजों की वजह से हमें थोड़ी तकलीफ हुई है। हम अपने मीडिया के दोस्तों से गुजारिश करेंगे कि वे पीड़ित परिवार या दूसरे परिवार के बयानों के पीछे न भागें। चीजों को कानून और प्रक्रिया के हिसाब से ही आगे बढ़ने दें। CJI सूर्यकांतः मृतक की सास एक रिटायर्ड जिला जज हैं। यह अफसोस की बात है कि ऐसा कहा जा रहा है कि कोर्ट निष्पक्ष सुनवाई की इजाजत नहीं दे रही है। हमें इस पर कोई शक नहीं है कि पीड़ित और आरोपी, दोनों ही जांच में सहयोग करेंगे। हमें अपनी राज्य एजेंसियों या CBI पर भी कोई शक नहीं है, जो भी जांच करेगा, वह निश्चित रूप से जांच को उसके अंजाम तक पहुंचाएगा और सच का पता लगाएगा। SG तुषार मेहताः रिटायर्ड जज एक चैनल से दूसरे चैनल पर घूम-घूमकर मृतका की बदनामी ही कर रही हैं। यह मामला अब CBI को सौंप दिया गया है। इसे सनसनीखेज नहीं बनाया जाना चाहिए, लेकिन मीडिया और उसके दखल की वजह से ही कई बातें सामने भी आई हैं। भोपाल पुलिस कमिश्नर संजय कुमार ने कहा कि ट्विशा के पति समर्थ सिंह से लगातार पूछताछ की जा रही है। उसके बयानों का क्रॉस वेरिफिकेशन हो रहा है। पुलिस बैंक डिटेल्स, कॉल रिकॉर्ड और फरारी के दौरान उसे मदद करने वालों की जानकारी जुटा रही है। पूर्व जज गिरिबाला सिंह से भी उनके घर जाकर पूछताछ की गई। यहां के सीसीटीवी फुटेज से कोई छेड़छाड़ नहीं हुई है। निर्देश मिलते ही केस डायरी सीबीआई को सौंप दी जाएगी। दिल्ली एम्स की टीम ने रविवार को ट्विशा की डेडबॉडी का दोबारा पोस्टमॉर्टम किया था। भोपाल एम्स में करीब 3 घंटे चली प्रक्रिया के बाद टीम भोपाल से रवाना हो गई थी। फोटो-वीडियो और लिखित निष्कर्षों के साथ आज लौटेगी। दिल्ली एम्स के फॉरेंसिक मेडिसिन एवं टॉक्सिकोलॉजी विभाग के प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष डॉ. सुधीर कुमार गुप्ता ने बताया कि ट्विशा की पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने में अभी कुछ समय लगेगा। हिस्टोपैथोलॉजी और विसरा का एनालिसिस किया जाना बाकी है। पहली पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में ट्विशा के गले पर दो समानांतर लिगेचर मार्क दर्ज हैं। रिपोर्ट के अनुसार, फंदा गर्दन पर दो बार लिपटा प्रतीत होता है। इसके बावजूद मौत का कारण सुसाइड बाय हैंगिंग दर्ज किया गया। मायकेवालों का दावा है कि फांसी के सामान्य मामलों में ऐसे निशान कम मिलते हैं। पहले पोस्टमॉर्टम के समय कथित फंदा न तो डॉक्टरों को सौंपा गया था और न पुलिस ने जब्त किया था। परिजन के सवाल उठाने के बाद 15 मई को फंदा बरामद किया गया। विशेषज्ञों के मुताबिक, ऐसे मामलों में फंदा आमतौर पर शव के साथ जांच के लिए भेजा जाता है। इस देरी से पुलिस की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठे हैं। मायकेवालों के मुताबिक, ट्विशा के शरीर पर चोटों के कई निशान दर्ज हैं। बाएं हाथ की कोहनी और कलाई के बीच कई घाव भी मिले हैं। पहली पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में कहा गया है कि ये चोटें किसी ठोस वस्तु के प्रभाव से हो सकती हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, फांसी के कई मामलों में हायॉइड बोन या थायरॉयड कार्टिलेज प्रभावित होती है। पहले पोस्टमॉर्टम की रिपोर्ट में यह हिस्सा सुरक्षित बताया गया है। रिपोर्ट में टिशू में रक्त के निशान दर्ज हैं, लेकिन हड्डी सुरक्षित रहने पर विस्तृत टिप्पणी नहीं है। दूसरी पोस्टमॉर्टम जांच में इस पहलू की भी समीक्षा होगी। पहले पोस्टमॉर्टम की रिपोर्ट में ट्विशा की लंबाई को लेकर भी सवाल उठे हैं। एम्स भोपाल की रिपोर्ट में लंबाई 166 सेंटीमीटर दर्ज है, जबकि परिजन 172 सेंटीमीटर बता रहे हैं। वकील अंकुर पांडेय ने रिपोर्ट की सटीकता पर सवाल उठाए हैं। SG तुषार मेहताः रिटायर्ड जज एक चैनल से दूसरे चैनल पर घूम-घूमकर मृतका की बदनामी ही कर रही हैं। यह मामला अब CBI को सौंप दिया गया है। इसे सनसनीखेज नहीं बनाया जाना चाहिए, लेकिन मीडिया और उसके दखल की वजह से ही कई बातें सामने भी आई हैं।

हिन्दी दैनिक
तमसा संकेत
www.tamsasanket.com
tamsasanketnews24@gmail.com

स्मार्ट फोन से दूरी बनाई, ऊबड़-खाबड़ रास्तों पर दौड़ते थे, 2008 में मशहूर धावक उसैन बोल्ट ने ओलिंपिक में गोल्ड मेडल जीता था

पिता से उसेन बोल्ट के किस्से सुनकर धावक बने गुरिंदरवीर

रिकॉर्ड

10.10 मार्क पहली बार क्रैक

कोविड में ट्रैक और जिम बंद होने पर जालंधर में गुरिंदरवीर, कोच सरबजीत सिंह हैप्पी के साथ चोरी-छिपे स्थानीय पार्कों के ऊबड़-खाबड़ रास्तों पर दौड़ते थे। वे सुबह सुरक्षाकर्मियों की नजरों से बचकर ट्रैक पर पहुंचते, रनिंग ड्रिल पूरी कर लौट आते। कई बार ट्रेनिंग जारी रखने के लिए पटियाला में कुछ दिनों के लिए होटल किराए पर लेना पड़ता था।

नई दिल्ली, एजेंसी

25 साल के गुरिंदरवीर सिंह ने शनिवार को एथलेटिक्स फेडरेशन कप की 100 मीटर दौड़ 10.09 सेकेंड में पूरी कर भारत के सबसे तेज धावक बनने का रिकॉर्ड बनाया। साल 2008 में मशहूर धावक उसैन बोल्ट ने ओलिंपिक में गोल्ड मेडल जीता था। तब 7 साल के गुरिंदरवीर सिंह TV पर यह देख रहे थे। बोल्ट को रिकॉर्ड बनाते देख वे प्रेरित हुए और तभी ठान लिया कि एक दिन भारत के सबसे तेज धावक बनकर देश का नाम रोशन करेंगे। कांस्टेबल पिता कमलजीत उन्हें अक्सर बोल्ट के किस्से सुनाते थे। रूममेट तक कहने लगे कि फाइनल भी पूरा नहीं कर पाओगे। गुरिंदरवीर ने पिता कमलजीत सिंह को फोन कर कहा कि दूसरा-तीसरा रैंक शायद मिल जाए। यह सुन पिता बोले 'अगर सोच ही वही है, तो पहला कभी नहीं आएगा।' पिता की यही डांट प्रेरणा बनी और अगले दिन गुरिंदरवीर ने पहला रैंक हासिल कर गोल्ड जीत लिया।

जीत के बाद गुरिंदरवीर सिंह की मां रुपिंदर कौर और पिता कमलजीत सिंह।

रूममेट बोला- 'फाइनल भी पूरा नहीं कर पाओगे', गोल्ड जीतकर जवाब दिया

2017 की एशियन यूथ चैम्पियनशिप से पहले गुरिंदरवीर ने 6 महीने तक स्मार्टफोन से दूरी बना ली थी। उनकी दुनिया सिर्फ अभ्यास और ट्रैक तक सीमित थी। लेकिन बैंकॉक में 100 मीटर हीट में वे आखिरी रहे तो ताने मिलने लगे।

गुरिंदरवीर सिंह की यह तस्वीर रांची में फेडरेशन कप के दौरान ली गई है। जहां वे 10.09 सेकेंड की टाइमिंग के साथ भारत के सबसे तेज धावक बने।

आईपीएल के आखिरी लीग मैच में दिल्ली जीती

कोलकाता को 40 रन से हराया

ईडन गार्डन्स, एजेंसी

IPL 2026 के आखिरी लीग मैच दिल्ली कैपिटल्स ने कोलकाता नाइट राइडर्स को 40 रन से हरा दिया। ईडन गार्डन्स में टॉस हारकर दिल्ली ने 20 ओवर में 5 विकेट पर 203 रन बनाए। जवाब में कोलकाता 18.4 ओवर में 163 रन पर ऑलआउट हो गई। दोनों टीमें पहले ही प्लेऑफ से बाहर हो चुकी थीं। 204 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी कोलकाता के लिए अजिंक्य रहाणे ने सबसे ज्यादा 63 रन बनाए, जबकि मनीष पांडे ने 25 और रोवमन पॉवेल ने 29 रन की पारी खेली। हालांकि लगातार विकेट गिरने से कोलकाता कभी मैच में वापसी नहीं कर सकी। लुंगी एनगिडी और कुलदीप यादव ने 3-3 विकेट लिए। वहीं मिचेल स्टार्क को 2 विकेट मिले। अक्षर पटेल को एक विकेट और रोवमन पॉवेल रन आउट हुए।

दिल्ली के लिए केएल राहुल ने सबसे ज्यादा 60 रन की पारी खेली। उन्होंने 30 गेंदों में 5 चौके और 4 छक्के लगाए। अक्षर पटेल ने कप्तानी पारी खेलते हुए 39 रन बनाए, जबकि डेविड मिलर ने 28 रन और आशुतोष शर्मा ने नाबाद 18 रन जोड़कर टीम को 200 के पार पहुंचाया। दिल्ली ने रविवार को कोलकाता 40 रन से हरा दिया। आखिरी विकेट लुंगी एनगिडी ने लिया।

पूर्व रणजी क्रिकेटर को मैच के दौरान अटैक आया, मौत

एसएल अक्षय ने 2014-15 में कर्नाटक के लिए रणजी ट्रॉफी जीती

बेंगलुरु, एजेंसी

कर्नाटक के पूर्व तेज गेंदबाज एसएल अक्षय का रविवार को दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। वे 39 वर्ष के थे। वे 2014-15 के सीजन में रणजी ट्रॉफी जीतने वाली कर्नाटक टीम का हिस्सा थे।

अक्षय बेंगलुरु में KSCA के थर्ड डिवीजन मैच में सैफायर सीसी की ओर से खेल रहे थे। चार ओवर गेंदबाजी करने के बाद उन्होंने असहज महसूस होने की शिकायत की और मैदान से बाहर चले गए।

उन्हें तुरंत नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। शुरुआती जानकारी के अनुसार उनकी मौत दिल का दौरा पड़ने से हुई।

पूर्व क्रिकेटर डोडा गणेश ने भी उनके निधन पर दुख जताया। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर लिखा- 'क्रिकेट जगत के लिए यह दुखद खबर है। मेरे पास अपने दुख को व्यक्त करने के लिए शब्द नहीं हैं।' डोडा गणेश ने आगे लिखा कि शांत स्वभाव के अक्षय ने 2011-12 में कर्नाटक के लिए खेलते हुए अच्छी सफलता हासिल की थी। क्रिकेट से संन्यास के बाद अक्षय कोचिंग से जुड़ गए थे।

कर्नाटक संघ ने शोक जताया, लिखा- समर्पण और जुनून से क्रिकेट की सेवा की

कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ (KSCA) ने बयान जारी कर अक्षय के निधन पर शोक जताया। संघ ने कहा, 'अक्षय ने प्रथम श्रेणी क्रिकेट में कर्नाटक का शानदार प्रतिनिधित्व किया। खेल करियर खत्म होने के बाद भी उन्होंने पूरे समर्पण और जुनून के साथ क्रिकेट की सेवा जारी रखी।'

बेटी पर भी भद्दे कमेंट किए, आईपीएल मैच में बहस हुई थी, मैच के बाद कोहली ने हेड से हाथ नहीं मिलाया था

कोहली के फैंस ने हेड की पत्नी को ट्रोल किया

नई दिल्ली, एजेंसी

IPL मैच में बहस के बाद विराट कोहली के फैंस ने ट्रैविस हेड के परिवार को ट्रोल किया। उनकी बेटी पर भी भद्दे और आपत्तिजनक कमेंट किए गए। हेड की पत्नी जेसिका ने ऑस्ट्रेलिया के अखबार 'द एडवर-टाइजर' से कहा- 'यह सब मुझे 2023 वर्ल्ड कप फाइनल के बाद की ट्रोलिंग की याद दिला रहा है।'

जेसिका ने बताया- 'जब मैं सोकर उठी तो मेरा सोशल मीडिया भरा पड़ा थाहम ठीक हैं। लेकिन, वे मेरे दोस्तों और परिवार पर निशाना साध रहे हैं।' जेसिका ने कहा-इस समय सभी खेलों में मानसिक स्वास्थ्य, नजरिए और एक-दूसरे से बात करने के तरीके को लेकर जरूरी चर्चा हो रही है। जुनून हमेशा खेल का हिस्सा रहेगा, लेकिन यह याद रखना भी उतना ही जरूरी है कि खेल के पीछे लोग और परिवार होते हैं। उम्मीद है कि इससे एक-दूसरे के प्रति अधिक काइंडनेस और सपोर्ट को बढ़ावा मिलेगा। भारत सुंदरासन ने कहा कि उन्होंने ट्रैविस हेड से बात की थी और वह ठीक हैं। उन्होंने सलाह दी कि खिलाड़ियों को ऐसे मामलों में सोशल मीडिया से दूरी बना लेनी चाहिए और किसी भी ट्रोलिंग का जवाब नहीं देना चाहिए।

तस्वीर 22 मई है, हेड-कोहली ने हैदराबाद और बेंगलुरु के बीच मैच के बाद आपस में हाथ नहीं मिलाया था।

शादी की फोटोज में आपत्तिजनक कमेंट किए

रिपोर्ट्स के अनुसार सोशल मीडिया पर ट्रेविस हेड की शादी की तस्वीरों तक पर आपत्तिजनक कमेंट किए गए। कुछ यूजर्स ने उनके परिवार को धमकियां भी दीं। जेसिका ने बताया कि 2023 वनडे वर्ल्ड कप फाइनल, वर्ल्ड टेस्ट चैंपिय-नशिप फाइनल और 2024 बॉक्सिंग डे टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया की भारत पर जीत के बाद भी उन्हें और उनके परिवार को इसी तरह के संदेश मिले थे।

कमेंटेटर सुंदरेशन बोले- मैच के बाद कोहली का बिहेवियर गलत

इसी बीच भारतीय-ऑस्ट्रेलियाई स्पोर्ट्स जर्नलिस्ट और कमेंटेटर भरत सुंदरेशन ने कोहली के बिहेवियर को गलत ठहराया। उनके मुताबिक भारत में क्रिकेटरों को लेकर फैन कल्चर हमेशा से बहुत भावुक रहा है, लेकिन अब यह ज्यादा आक्रामक और ट्राइबल हो गया है।

वनडे वर्ल्ड ट्रॉफी के साथ जेसिका और हेड। उन्हें भारत के फाइनल हारने के बाद भी ट्रोल किया गया था।

> 22 मई को हैदराबाद-बेंगलुरु मैच के दौरान ट्रैविस हेड और विराट कोहली के बीच तीखी नोंकझोंक हुई थी। इसके बाद कोहली ने मैच के बाद हेड से हाथ नहीं मिलाया था।

मनोरंजन

'उम्रदराज लोगों को रेड कार्पेट पर देखने की आदत डाल लो'

ऐश्वर्या राय के ट्रोलर्स पर भड़कीं कंगना

नई दिल्ली। एक्ट्रेस कंगना रनोट ने हाल ही में ऐश्वर्या राय को ट्रोल करने वालों की फटकार लगाई है। दरअसल, ऐश्वर्या हर साल की तरह इस साल भी कांस फिल्म फेस्टिवल का हिस्सा बनी थीं। उनकी तस्वीरें जमकर वायरल हुईं। जहां कुछ लोग उनके ग्लोबल स्टारडम की तारीफ कर रहे हैं, वहीं कुछ उनके लुक्स को ट्रोल भी कर रहे हैं। अब कंगना रनोट ने उन ट्रोलर्स पर भड़कते हुए कहा है कि ऐश्वर्या को किसी को खुश करने की जरुरत नहीं है।

कंगना रनोट ने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट से ऐश्वर्या राय की तस्वीर शेयर कर लिखा है, 'फैशन और स्टाइल इंसान की अपनी पहचान और खुद को जाहिर करने का तरीका होता है। हर व्यक्ति अपनी

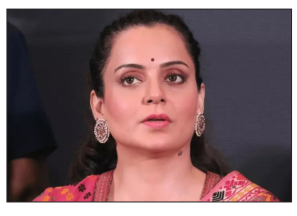

जिंदगी और सोच को अपने तरीके से दिखाता है। कोई भी महिला किसी को कुछ साबित करने या खुश करने की जिम्मेदार नहीं है।'

आगे कंगना ने लिखा है, 'ऐश्वर्या बेहद खूबसूरत लग रही हैं। जिन्हें उन्हें किसी और तरह देखना है, वो पहले खुद दिखाएं कि उनमें क्या खास है। वो यहां किसी को खुश करने नहीं आई हैं। वो शानदार हैं। अगर आपको रेड कार्पेट पर उम्रदराज महिलाओं को देखने की आदत नहीं है, तो अब इसकी आदत डाल लीजिए।

लड़कियों जैसा कहकर उड़ा मजाक, अमिताभ को डायरेक्ट करने के डर से बेहोश हुए

54 साल के हुए करण जौहर

आज करण जौहर फिल्म इंडस्ट्री के टॉप फिल्ममेकर हैं, लेकिन एक समय ऐसा था जब उनके अपने माता-पिता नहीं चाहते थे कि वो इंडस्ट्री में आएं। करण के फिल्मी करियर की शुरुआत फिल्म 'दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे' से ही हुई थी। फिल्म में वो असिस्टेंट डायरेक्टर थे।

नई दिल्ली। बचपन से ही करण जौहर की चाल, बोलने का तरीका और बॉडी लैंग्वेज मजाक का कारण बनी। जिसके चलते करण धीरे-धीरे इतने डर गए कि लोगों के बीच जाने से कतराने लगे। घरवालों से झूठ बोला कि वो कंप्यूटर क्लास जा रहे हैं, जबकि असल में वो आवाज बदलने की ट्रेनिंग ले रहे थे। माता-पिता नहीं चाहते थे कि वो फिल्म इंडस्ट्री का हिस्सा बनें।

फिर एक दिन उसी अंडरकॉन्फि-डेंट लड़के से शाहरुख खान ने कहा कि तुम्हें फिल्म डायरेक्ट करना चाहिए। मैं तुम्हारी फिल्म में एक्टिंग करूंगा और उनकी पहली ही फिल्म 'कुछ कुछ होता है' आई, जो ब्लॉकबस्टर रही। बाद में करण ने 'कभी खुशी कभी गम' और 'ऐ दिल है मुश्किल' जैसी कई हिट फिल्में डायरेक्ट की। करण नेपोटिज्म को लेकर ट्रोल भी हुए, लेकिन संघर्ष, ताने और आलोचनाओं के बीच उन्होंने अपनी अलग पहचान बनाई और उनकी गिनती बॉलीवुड के टॉप फिल्ममेकर्स में होती है। आज करण जौहर भले ही बॉलीवुड के सबसे कॉन्फिडेंट और स्टाइलिश फिल्ममेकर माने जाते हों, लेकिन बचपन में वो बेहद डरे हुए और अंडरकॉन्फिडेंट बच्चे थे।

DDLJ में करण ने शाहरुख खान (राज) के दोस्त का छोटा सा रोल निभाया था।

'मेट गाला' में शामिल एकमात्र भारतीय डायरेक्टर

करण ने निखिल तनेजा को दिए इंटरव्यू में कहा था, 'मेरे माता-पिता भी परेशान रहते थे क्योंकि मैं बहुत शर्मीला और इंट्रोवर्ट था। आज शायद लोग इस बात पर भरोसा नहीं करेंगे, लेकिन मैं लोगों के बीच जाने से डरता था। मैं बचपन में बहुत एफेमिनेट (लड़कियों जैसा) था और ओवरवेट भी था। जब भी मैं कोई खेल खेलने जाता था तो लोग मेरा मजाक उड़ाते थे। लोग कहते थे कि मैं अजीब तरीके से दौड़ता हूं या मेरे हाथों के हाव-भाव अलग हैं।' उन्होंने कहा था, '80 के दशक में लोग 'पैंसी' शब्द इस्तेमाल करते थे।

अक्षय-अक्षरा ने उड़ाया गर्दा, रील्स पर छाने को तैयार 'घिस घिस'

'वेलकम टू द जंगल' में लगा भोजपुरी तड़का

विक्रम मोंट्रोस द्वारा कंपोज किया गया 'घिस घिस घिस' हाई एनर्जी, देसी स्वैग और फुल ऑन मस्ती से भरपूर एंटरटेनर है। विक्रम मोंट्रोस और सुप्रिया पाठक की दमदार आवाजों के साथ, अभिनव शेखर द्वारा लिखे गए बोल इस गाने में 'वेलकम' फ्रेंचाइजी की वही रंगीन, शोरगुल वाली और एंटरटेनिंग दुनिया को जिंदा करते हैं, जिसे दर्शक बेहद पसंद करते हैं।

नई दिल्ली। अपनी बड़ी स्टारकास्ट और बड़े कॉमिक यूनिवर्स को लेकर पहले ही जबरदस्त चर्चा में बनी हुई फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' से अब नया गाना 'घिस घिस घिस' रिलीज कर दिया है। यह गाना बॉलीवुड और भोजपुरी तड़के का ऐसा धमाकेदार कोलेब है, जो प्लेलिस्ट, शादियों और सोशल मीडिया रील्स पर छाने के लिए पूरी तरह तैयार है। इस गाने की सबसे खास बात है अक्षय कुमार और भोजपुरी सुपरस्टार अक्षरा सिंह की दमदार जोड़ी, जिनकी केमिस्ट्री और स्क्रीन प्रेजेंस इस गाने में अलग ही आग लगा देती है। भव्य सेट्स, रंग-बिरंगे विजुअल्स, फेस्टिव वाइब्स और वायरल होने वाले हुक स्टेप्स के साथ 'घिस घिस घिस' को पूरी तरह मास ऑडियंस को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। अक्षय कुमार इस गाने में बिल्कुल अलग अंदाज़ में नजर आ रहे हैं। अपने कूल डांस मूव्स के लिए पहचाने जाने वाले अक्षय इस बार देसी और रस्टिक अवतार में पूरी तरह छा गए हैं। गाने का हुक आइडिया इश्तेयाक मुस्ताक का है, जबकि इसका म्यूजिक प्रोडक्शन आकाश यादव और विक्रम मोंट्रोस ने किया है। जंगली म्यूज़िक द्वारा प्रस्तुत

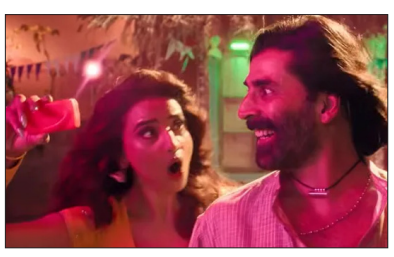

'घिस घिस घिस' अब सभी प्रमुख ऑडियो प्लेटफॉर्म्स पर स्ट्रीम हो रहा है, जबकि इसका फुल म्यूजिक वीडियो टाइम्स म्यूजिक के यूट्यूब चैनल पर रिलीज किया गया है। फिल्म में अक्षय कुमार, सुनील शेट्टी, दिशा पटानी, जैकलीन फर्नांडिस, अरशद वारसी, जैकी श्रॉफ, परेश रावल, रवीना टंडन, लारा दत्ता, फरीदा जलाल, जॉनी लीवर, श्रेयस तलपड़े, तुषार कपूर, राजपाल यादव, कृष्णा अभिषेक, वृहि कोडवारा, आदित्या सिंह और भाग्य भानुशाली जैसे कलाकार नजर आएंगे।

ईरान बोला- उसकी गारंटी पर भरोसा नहीं, इजराइल बातचीत बिगाड़ने की कोशिश करेगा

अमेरिका की धमकियों से नहीं डरते : ईरान

टकराव

तेल अवीव/तेहरान, एजेंसी

ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ईस्माइल बघाई ने कहा कि उनका देश अमेरिका की धमकियों की परवाह नहीं करता। उन्होंने कहा कि इस बात की कोई गारंटी नहीं है कि अमेरिका किसी संभावित समझौते का पूरी तरह पालन करेगा।

बघाई ने कहा कि इजराइल अमेरिका और ईरान के बीच चल रही बातचीत को कमजोर करने की कोशिश कर सकता है। उन्होंने कहा कि इजराइली शासन पूरी कोशिश कर रहा है कि यह समझौता न हो सके। हमें उम्मीद है कि वह बातचीत को प्रभावित करने की कोशिश करेगा। उन्होंने यह भी कहा कि कुछ देश लगातार युद्ध और टकराव की बात कर रहे हैं, जिसका असर अमेरिकी अधिकारियों पर भी पड़ सकता है।

ओमान के विदेश मंत्री बद्र बिन हमद अल बुसैदी ने यूरोपीय संघ (ईयू) की विदेश नीति प्रमुख काजा कालास से फोन पर बात की। ओमान के विदेश मंत्रालय के मुताबिक दोनों नेताओं ने मिडिल ईस्ट के हालात और इलाके में बढ़ते तनाव पर चर्चा की।

बातचीत में होर्मुज में समुद्री आवाजाही फिर से शुरू कराने और क्षेत्र में तनाव कम करने की कोशिशों का समर्थन किया गया। इसके अलावा यूरोपीय संघ और ओमान के बीच चल रहे सहयोग और साझेदारी पर भी चर्चा हुई।

ईरानी विदेश मंत्री यूएनएससी बैठक में शामिल नहीं होंगे, अमेरिकी वीजा नहीं मिला

ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची न्यूयॉर्क में होने वाली संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (UNSC) की बैठक में हिस्सा नहीं ले पाएंगे। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने कहा कि इसकी वजह अमेरिकी वीजा से जुड़ी समस्या है। रिपोर्ट के मुताबिक अराघची को अमेरिका जाने के लिए जरूरी वीजा नहीं मिल पाया।

एक्सपर्ट बोले- ट्रम्प को इजराइल से कोई खास फायदा नहीं मिल सकता

इजराइली पॉलिटिकल एक्सपर्ट ओरी गोल्डबर्ग का कहना है कि डोनाल्ड ट्रम्प अब इजराइल से ज्यादा अमेरिका के हितों को प्राथमिकता दे सकते हैं।

उन्होंने यह बात उन खबरों के बीच कही, जिनमें दावा किया गया है कि इजराइली नेता अमेरिका और ईरान के बीच संभावित समझौते को कमजोर करने की कोशिश कर रहे हैं।

ओरी गोल्डबर्ग ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि इजराइल इस समय बेहद कमजोर स्थिति में है और वह ट्रम्प को कोई खास फायदा नहीं दे सकता। उन्होंने यह भी कहा कि गाजा युद्ध की भारी कीमत इजराइल को अभी पूरी तरह चुकानी बाकी है। एक दूसरे पोस्ट में गोल्डबर्ग ने कहा कि ईरान के मुद्दे पर अमेरिका और इजराइल की सोच कभी पूरी तरह एक जैसी नहीं रही।

उनके मुताबिक ट्रम्प का मुख्य फोकस ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर था, जबकि इजराइल ईरान में सत्ता परिवर्तन और बड़े स्तर पर तबाही चाहता था।

ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ईस्माइल बघाई ने कहा कि उनका देश अमेरिका की धमकियों की परवाह नहीं करता। उन्होंने कहा कि इस बात की कोई गारंटी नहीं है कि अमेरिका किसी संभावित समझौते का पूरी तरह पालन करेगा।

बघाई के मुताबिक पिछले कुछ हफ्तों में जो बदलाव देखने को मिले हैं, उनमें पाकिस्तान और कुछ दूसरे देशों की मध्यस्थता की बड़ी भूमिका रही है। हालांकि फिलहाल किसी पाकिस्तानी अधिकारियों के तेहरान आने की कोई आधिकारिक योजना नहीं है।

ईरान बोला- होर्मुज का कंट्रोल उसके आस पास के देशों का होना चाहिए

ईरान ने कहा है कि होर्मुज का कंट्रोल वहां के आसपास मौजूद देशों के हाथ में होना चाहिए। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता बघाई ने कहा कि ईरान जहाजों से कोई अलग टैक्स नहीं लेगा। लेकिन अगर सुरक्षा या दूसरी सुविधाएं दी जाएंगी, तो उसके बदले पैसे लेना सामान्य बात है। उन्होंने कहा कि ईरान इस इलाके के दूसरे देशों से लगातार बात कर रहा है, ताकि समुद्री रास्ता सुरक्षित रहे और सभी देशों के हित सुरक्षित रहें।

ईरानी सांसद बोले- हम कभी दबाव और धमकी के आगे नहीं झुकेंगे

ईरान के सांसद इब्राहिम रेजाई ने कहा कि ईरान दबाव और धमकियों के आगे कभी नहीं झुकेगा। इब्राहिम रेजाई ईरान की संसद की राष्ट्रीय सुरक्षा और विदेश नीति समिति के प्रवक्ता हैं। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, मिलिट्री वॉर में हमारी पॉलिसी आंख के बदले आंख थी और डिप्लोमेसी लड़ाई में भी जवाब उसी तरह दिया जाएगा। रेजाई ने ट्रम्प पर तंज करते हुए कहा कि अमेरिका समय के दबाव में है। अगर अमेरिका समझौता चाहता है तो उसे बातचीत करनी चाहिए। अमेरिका अपनी सख्ती जारी रखता है तो वहां पेट्रोल और गैस की कीमतें बढ़ सकती हैं।

ईरान को आशंका- इजराइल बातचीत बिगाड़ने की कोशिश करेगा

ईरानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ईस्माइल बघाई ने कहा कि इजराइल अमेरिका और ईरान के बीच चल रही बातचीत को कमजोर करने की कोशिश कर सकता है। उन्होंने कहा कि इजराइली शासन पूरी कोशिश कर रहा है कि यह समझौता न हो सके। हमें उम्मीद है कि वह बातचीत को प्रभावित करने की कोशिश करेगा। उन्होंने यह भी कहा कि कुछ देश लगातार युद्ध और टकराव की बात कर रहे हैं, जिसका असर अमेरिकी अधिकारियों पर भी पड़ सकता है।

अमेरिका बोला- ईरान जंग को लेकर आज बड़ी खबर आ सकती है

अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने कहा है कि ईरान के साथ चल रही बातचीत को लेकर आज कोई बड़ी खबर सामने आ सकती है। उन्होंने कहा कि रविवार को दोनों देशों के बीच समझौता नहीं हो पाया, लेकिन इसे बहुत बड़ी बात नहीं मानना चाहिए। रूबियो के मुताबिक अमेरिका ने ईरान के सामने एक मजबूत प्रस्ताव रखा है।

बांग्लादेश ने ट्रैफिक से निजात पाने के लिए शुरू किया नया सिस्टम

नई दिल्ली, एजेंसी

बांग्लादेश की राजधानी ढाका में घनी आबादी और अपने भयंकर ट्रैफिक के लिए बदनाम भी। पूरे ढाका में बसें, कारें, मोटरसाइकिलें और रिक्शे भी एक-दूसरे से होड़ करते नजर आते हैं। ऐसा लगता है मानो वे सिग्नलों, पैदल चलने वालों, क्रॉसिंग और यहां तक कि ट्रैफिक पुलिस को भी ऐसी बाधाएं मानते हैं जिन्हें पार करना है।

ऐसे में मौके पर ही पुलिस द्वारा लगाए गए जुर्माने अक्सर बहस का कारण बनते हैं, टकराव आम बात है और कई बार आदेश मानने से इनकार करने वाले वाहनों की चपेट में आकर पुलिस अधिकारी घायल भी हो जाते हैं। अब इससे निजात पाने के लिए दुनिया के सबसे भीड़भाड़ वाले शहरों में से एक ढाका ने अब पहला एआई-पावर्ड ट्रैफिक सिस्टम शुरू किया है।

ट्रैफिक कर्मी एस.एम. नाजिमुद्दीन ने कहा, ‘जो लोग नियमों का उल्लंघन करते हैं, वे हमारे ही खिलाफ हो जाते हैं। लेकिन जब से एआई आया है गाड़ी चलाने वाले लोग कानून का पालन करने लगे हैं और हम रोज-रोज के झगड़ों से बच गए हैं। ट्रैफिक प्रबंधन को आधुनिक बनाने के बार-बार किए गए प्रयासों के बावजूद 2.2 करोड़ से ज्यादा आबादी वाला यह शहर अब भी मैनुअल नियंत्रण पर ही निर्भर था। यहां अधिकारी ट्रैफिक लाइट के हरे होने से पहले ही सड़कों पर रस्सियां तान देते थे।

लेकिन अप्रैल में ढाका पुलिस ने ट्रैफिक कैमरों को एक ऐसे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सॉफ्टवेयर से जोड़ा, जिसे अपने-आप नियमों का उल्लंघन पकड़ने के लिए डिजाइन किया गया है।

रूस ने यूक्रेन पर ओरेश्निक मिसाइल से हमला किया

यह परमाणु हथियार ले जाने में सक्षम

कीव, एजेंसी

रूस ने रविवार को यूक्रेन पर कई मिसाइलों और ड्रोनों से हमला किया जिसमें कम से कम 4 लोगों की मौत हो गई और कई दर्जन लोग घायल हैं। हमलों का निशाना यूक्रेन की राजधानी कीव के आसपास के इलाके थे। रूस ने कहा कि यह हमला यूक्रेनी हमलों के जवाब में किया गया। रूसी रक्षा मंत्रालय के मुताबिक हमलेमें ओरेशनिक हाइपरसोनिक मिसाइल का भी इस्तेमाल हुआ। यह मिसाइल परमाणु हथियार ले जाने में भी सक्षम है। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने रूस पर जानबूझकर नागरिक इलाकों को निशाना बनाने का आरोप लगाया। उन्होंने टेलीग्राम पर लिखा कि रूसी हमलों में पानी सप्लाई करने वाली एक फैसिलिटी को नुकसान पहुंचा, एक बाजार जल गया और कई घरों व स्कूलों पर हमला हुआ। जेलेंस्की ने कहा कि रूस के तरफ से दागी ओरेश्निक मिसाइल बिला त्सेरक्वा शहर के पास गिरी। उन्होंने कहा, “वे सचमुच पागल हो चुके हैं। जरूरी है कि रूस को इसकी सजा मिले।” यूक्रेन के विदेश मंत्री आंद्री सिबिहा ने कहा कि मिसाइल में डमी वारहेड लगाया गया था। अमेरिका ओरेश्निक को मध्यम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल मानता है। यह मिसाइल पारंपरिक या परमाणु वारहेड ले जाने में सक्षम है। इसकी रफ्तार और उड़ान का तरीका ऐसा है कि यूक्रेन के मौजूदा एयर डिफेंस सिस्टम के लिए इसे रोकना लगभग नामुमकिन माना जाता है।

फास्ट न्यूज

सेंसेक्स 1074 अंक चढ़कर 76,488 पर बंद

नई दिल्ली। सेंसेक्स आज 25 मई को 1074 अंक (1.42%) की तेजी के साथ 76,500 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 312 अंकों (1.32%) की तेजी रही, ये 24,032 के स्तर पर बंद हुआ। आज के कारोबार में ऑटो, बैंकिंग और रियल्टी शेयर्स में ज्यादा खरीदारी रही, जबकि निफ्टी FMCG में सबसे ज्यादा बिकवाली देखी गई।

चांदी 3,754 बढ़कर 2.70 लाख किलो हुई

नई दिल्ली। सोने-चांदी के दाम में आज यानी 25 मई को बढ़त है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के अनुसार 10 ग्राम 24 कैरेट सोने के दाम 505 रुपए बढ़कर 1.59 लाख रुपए हो गया है। वहीं, 1 किलो चांदी की कीमत 3,754 रुपए बढ़कर 2.70 लाख रुपए पर पहुंच गई है। इस साल सोने-चांदी की कीमत में तेजी रही है। सोना 2026 में अब तक 25 हजार रुपए और चांदी 39 हजार रुपए महंगी हुई है। 31 दिसंबर 2025 को 10g सोना 1.33 लाख रुपए पर था, जो अब 1.59 लाख रुपए पर पहुंच गया है। वहीं, चांदी 2.30 लाख रुपए किलो थी, जो अब 2.69 लाख रुपए पर पहुंच गई है।

पेट्रोल-डीजल ड्यूटी कटौती से सरकार को 1-लाख करोड़ का घाटा

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार (25 मई) को बताया कि पेट्रोल और डीजल पर एक्साइज ड्यूटी (उत्पाद शुल्क) कम करने से सरकार को 1 लाख करोड़ के रेवेन्यू का नुकसान होगा। इसके साथ ही उन्होंने भारत की इकोनॉमिक ग्रोथ को लेकर बनाए जा रहे निराशाजनक माहौल को खारिज किया और देश की आर्थिक स्थिति का बचाव किया।

इबोला का प्रकोप 20 दिन में 200 से ज्यादा मौतें

भारत, अमेरिका, फ्रांस, जापान और अफ्रीकी देशों ने क्या कदम उठाए?

नई दिल्ली, एजेंसी

अफ्रीका महाद्वीप में इबोला वायरस तेजी से फैल रहा है। कांगो (डीआरसी) और युगांडा में बढ़ते मामलों को देखते हुए भारत सरकार ने सतर्कता बरतते हुए कांगो, युगांडा और दक्षिण सूडान के लिए ट्रैवल एडवाइजरी जारी कर दी है। केंद्र ने भारतीय नागरिकों से इन देशों की गैर-जरूरी यात्रा टालने की अपील की है। विदेश मंत्रालय और स्वास्थ्य मंत्रालय के संयुक्त एडवाइजरी के अनुसार, इन तीनों देशों से लौटे या ट्रांजिट यात्रियों को 21 दिनों तक अपनी सेहत पर नजर रखनी होगी।

बुखार, कमजोरी, सिरदर्द, मांसपेशियों में दर्द, उल्टी, दस्त, गले में खराश या ब्लीडिंग जैसे लक्षण दिखने पर तुरंत एयरपोर्ट हेल्थ डेस्क या नजदीकी डॉक्टर से संपर्क करना होगा। यात्रियों को इमिग्रेशन से पहले हेल्थ ऑफिसर को पूरी ट्रैवल हिस्ट्री बतानी होगी। भारत में अभी इबोला के 'बुंडीबुग्यो' स्ट्रेन का कोई केस नहीं मिला है। हालांकि, केरल और कर्नाटक के बाद आंध्र प्रदेश ने भी एयरपोर्ट निगरानी शुरू कर दी है। विशाखापत्तनम, तिरुपति और विजयवाड़ा एयरपोर्ट पर प्रभावित देशों से आने वाले यात्रियों की स्क्रीनिंग की जा रही है।

लक्षण पाए जाने पर यात्री को क्वारंटीन किया जाएगा। प्रभावित शहरों के अस्पतालों में 15-15 बेड वाले आइसोलेशन वार्ड तैयार रखे गए हैं। विदेश मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, कांगो, युगांडा और दक्षिण सूडान में कुल 58,560 भारतीय मूल के लोग रहते हैं।

यह हमारा आंतरिक मासला ■ तिब्बत मुद्दे में बाहरी दखल मंजूर नहीं

भारत दलाई लामा उत्तराधिकारी मामले से दूर रहे : चीनी दूतावास

बीजिंग, एजेंसी

चीन ने भारत को दलाई लामा के उत्तराधिकार के मुद्दे से दूर रहने की सलाह दी है। बीजिंग ने कहा कि दलाई लामा के पुनर्जन्म और उत्तराधिकारी तय करने की प्रक्रिया पूरी तरह चीन का आंतरिक मामला है और इसमें किसी बाहरी हस्तक्षेप की अनुमति नहीं दी जाएगी।

भारत में चीनी दूतावास की प्रवक्ता यू जिंग ने रविवार को बयान जारी कर कहा कि दलाई लामा का पुनर्जन्म सदियों पुराने धार्मिक रीति-रिवाजों और ऐतिहासिक परंपराओं के तहत होता है।

उन्होंने कहा कि इस प्रक्रिया के लिए चीन की केंद्रीय सरकार की मंजूरी जरूरी होती है और 14वें दलाई लामा को भी इसी प्रक्रिया के तहत मान्यता दी गई थी। चीनी दूतावास ने भारत को तिब्बत पर अपने पुराने रुख की याद भी दिलाई। बयान में कहा गया कि भारत को तिब्बती स्वतंत्रता से जुड़ी गतिविधियों के लिए मंच उपलब्ध नहीं कराना चाहिए। यह क्षेत्रीय स्थिरता और भारत-चीन संबंधों के लिए जरूरी है। वर्तमान दलाई लामा का जन्म 1935 में चीन के उत्तर पश्चिम में ताक्तेसर गांव में हुआ था। सिर्फ दो साल की उम्र में उनकी पहचान हो गई थी। 13वें दलाई लामा की छोड़ी निशानियों की मदद से बौद्ध साधुओं का दल इस गांव तक पहुंचा था। यह दल अपने साथ 13वें दलाई लामा का कुछ सामान जैसे चश्मा, घंटी, छड़ी लेकर आए। उन्होंने दलाई लामा का सामान और कुछ और सामान बच्चे के सामने रखा।

इनमें से बच्चे ने 13वें दलाई लामा से जुड़ी चीजें उठाकर कहा 'ये मेरा है।' आखिर में उन साधुओं ने बच्चे के सामने कुछ छड़ी रखी। बच्चे ने दलाई लामा की छड़ी उठाकर उसे अपने सीने से लगा लिया। इसके बाद उन साधुओं को यकीन हो गया कि यह बच्चा दलाई लामा का पुनर्जन्म है। 6 साल की उम्र में उनकी पढ़ाई शुरू हुई और 1950 में चीन की तिब्बत में घुसपैठ के बाद उन्होंने दलाई लामा की पूरी शक्तियों के साथ पद संभाला। आज तिब्बत चीन का हिस्सा है, लेकिन हमेशा से ऐसा नहीं था। 1949 में चीन में कम्युनिस्ट पार्टी सत्ता में आई।

चीन दलाई लामा के मुद्दे को संबंधों में कांटा बता चुका

यह पहला मौका नहीं है जब चीन ने दलाई लामा मुद्दे पर भारत को चेतावनी दी हो। पिछले साल भी बीजिंग ने कहा था कि दलाई लामा का उत्तराधिकार भारत-चीन संबंधों में कांटे की तरह है।

दलाई लामा पहले भी कह चुके हैं कि उनके उत्तराधिकारी तय करने में चीन की कोई भूमिका नहीं होगी। तिब्बती मान्यता के मुताबिक, किसी वरिष्ठ बौद्ध भिक्षु की मृत्यु के बाद उसकी आत्मा पुनर्जन्म लेती है। हालांकि चीन कहता है कि दलाई लामा के उत्तराधिकारी की प्रक्रिया को चीनी सरकार की मंजूरी जरूरी है।

दलाई लामा 1959 से भारत में निर्वासन में रह रहे हैं। तिब्बत में चीनी शासन के खिलाफ असफल विद्रोह के बाद वे भारत आए थे। भारत में करीब 70 हजार तिब्बती शरणार्थी और निर्वासित तिब्बती सरकार भी मौजूद है।

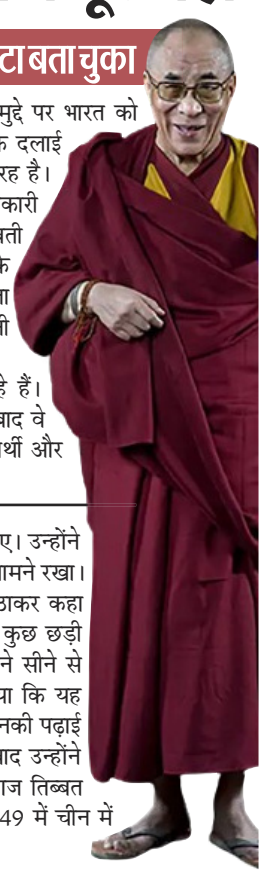

संबोधन : कहा- पीएम मेरे दोस्त, मैं उनका बहुत बड़ा फैन, भारत मुझ पर 100% भरोसा कर सकता है

ट्रम्प ने मोदी को महान बताया

वॉशिंगटन/नई दिल्ली, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने पीएम मोदी को अपना महान दोस्त बताया और कहा कि वे मोदी के बहुत बड़े फैन हैं। ट्रम्प ने कहा कि भारत अमेरिका पर 100% भरोसा कर सकता है।

अमेरिका के 250वें स्वतंत्रता दिवस पर दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित कार्यक्रम में ट्रम्प ने अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर को फोन करके लोगों को संबोधित किया। उन्होंने कहा-मुझे भारत से प्यार है। आपको (एम्बेसडर गोर) हमारे देश के प्रतिनिधि के तौर पर अच्छी स्पीच देनी होगी। मैं सबको गुड इवनिंग कहना चाहता हूं। मुझे प्रधानमंत्री से प्यार है। PM मोदी महान हैं, वह मेरे दोस्त हैं। मोदी को हैलो कहो। मैं उनका बहुत बड़ा फैन हूं। ट्रम्प ने कहा- हम पहले कभी इंडिया के इतने करीब नहीं रहे। इंडिया मुझ पर और अमेरिका पर 100% भरोसा कर सकता है। अगर उन्हें कभी मदद की जरूरत पड़ी, तो उन्हें पता है कि कहां कॉल करना है। वे यहीं कॉल करते हैं। सितंबर 2019 में अमेरिका के ह्यूस्टन में हुए 'हाउडी मोदी' कार्यक्रम में ट्रम्प ने मोदी को भारत के सबसे सम्मानित

यह फोटो 13 फरवरी 2025 की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने व्हाइट हाउस के ओवल ऑफिस में मुलाकात की थी।

ट्रेड डील पर भी सकारात्मक संकेत

ट्रम्प के इस बयान को भारत-अमेरिका ट्रेड डील से भी जोड़कर देखा जा रहा है। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो पहले ही कह चुके हैं कि दोनों देशों के बीच जल्द व्यापार समझौता हो सकता है।

ट्रम्प का ये कहना 'भारत अमेरिका पर 100% भरोसा कर सकता है' निवेश, टेक्नोलॉजी और व्यापार सहयोग को लेकर भरोसे का संदेश माना जा रहा है।

अमेरिका हाल के महीनों में कई भारतीय प्रोडक्ट्स पर टैरिफ बढ़ा चुका है, इसके बावजूद दोनों देश रक्षा, AI, सेमीकंडक्टर और ऊर्जा सेक्टर में सहयोग बढ़ाने की कोशिश कर रहे हैं। फरवरी में अमेरिका ने भारत पर लगाए 50% टैरिफ को घटाकर 18% कर दिया था।

ट्रम्प की तारीफ के कूटनीतिक मायने

ट्रम्प ने मोदी को महान दोस्त और खुद को उनका बड़ा फैन बताया। यह बयान ऐसे समय आया है, जब दोनों देशों के बीच ट्रेड डील और टैरिफ को लेकर बातचीत चल रही है। QUAD, इंडो-पैसिफिक, रक्षा और टेक्नोलॉजी जैसे मुद्दों पर भारत-अमेरिका सहयोग दोनों देशों के रिश्तों में अहम बना हुआ है।

फरवरी 2020 में अहमदाबाद के 'नमस्ते ट्रम्प' कार्यक्रम में उन्होंने मोदी को टफ नेगोशिएटर और असाधारण नेता कहा था। 2024 के अमेरिकी चुनाव प्रचार के दौरान ट्रम्प ने कहा था कि मोदी उनके बहुत अच्छे दोस्त हैं और भारत-अमेरिका रिश्ते उनके कार्यकाल में मजबूत हुए। ट्रम्प ने पीएम मोदी को फोन करके बधाई दी। दोनों नेताओं ने भारत और अमेरिका की दोस्ती, क्वाड, इंडो पैसिफिक सुरक्षा, व्यापार और रक्षा सहयोग पर बात की।

ऑस्ट्रिया: आसमान में पैराग्लाइडर से टकराया विमान, महिला ने सूझबूझ से बचाई जान

नई दिल्ली। ऑस्ट्रिया के आसमान से एक बेहद चौंकाने वाला और रोंगटे खड़े कर देने वाला वीडियो सामने आया है। यहां आल्प्स की पहाड़ियों के ऊपर उड़ान भर रही एक महिला पैराग्लाइडर से एक छोटा विमान सीधे आकर टकरा गया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि महिला का पैराग्लाइडर हवा में ही दो टुकड़ों में बंट गया और वह तेजी से जमीन की तरफ गिरने लगी। हालांकि, ऐन वक्त पर महिला ने सूझबूझ दिखाई और इमरजेंसी पैराशूट खोलकर अपनी जान बचा ली। न्यूयॉर्क पोस्ट के अनुसार, यह पूरी घटना कैमरे में रिकॉर्ड हो गई है। यह घटना उत्तरी ऑस्ट्रिया में पैराग्लाइडिंग के लिए बेहद मशहूर श्मिटनहोहे पहाड़ के पास शनिवार दोपहर को हुई। साल्जबर्ग स्टेट पुलिस के अनुसार, 44 वर्षीय सबरीना एक अनुभवी पैराग्लाइडर हैं।

तमसा संकेत
tamsa.newslko@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्या देवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ-226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित व प्रकाशित।

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. UPHIN/2021/83676